छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, बुधवार 07 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-98 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

जम्मू-कश्मीर में आतंकी अफजल गुरु के परिवार पर एक्शनज अवैध डेयरी फार्म पर चला बुलडोजर



नई दिल्ली। आतंकवादी अफजल गुरु के परिवार के बाढ़-क्षेत्र की कब्जे वाली जमीन पर बने अवैध डेयरी शेड पर बुलडोजर चलाया गया। प्रशासन का दावा है कि ये बाढ़-क्षेत्र की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके बनाया गया था।जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरु के परिवार के बाढ़-क्षेत्र की कब्जे वाली जमीन पर बने अवैध डेयरी शेड पर बुलडोजर चलाया गया। यह कार्रवाई सोपोर इलाके में राजस्व विभाग की टीम ने की। अफजल गुरु 2001 के संसद हमले के मामले में दोषी ठहराया गया था और 2013 में उसे फांसी दी गई थी।राजस्व विभाग की एक टीम ने यह तोड़-फोड़ अभियान चलाया।

चंडीगढ़ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागतज भगवंत मान ने की मुलाकात, पंजाब के मुद्दों पर खास चर्चा



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गर्मजोशीपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और राज्य के मुद्दे पर गंभीरतापूर्वक चर्चा भी की। चंडीगढ़ पहुंचने पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और राज्य की ओर से सम्मानपूर्वक उनका अभिनंदन किया। इस बैठक में दोनों नेताओं ने पंजाब राज्य की वर्तमान स्थिति, जन कल्याण कार्यों और देश से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर और सार्थक चर्चा की। पंजाब ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क (पहले ट्विटर) पर साझा की हैं।

चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे? आकाशवाणी में डेरा जमाए बैठे राहुल गांधी ने पूछे सवाल



नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि हम वोट चोरी पर सवाल पूछना चाहते हैं, लेकिन लेकिन हमें रोक दिया। उन्होंने कहा कि हम करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, फिर हमसे चुनाव आयुक्त क्यों नहीं मिल रहे। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष का विरोध प्रदर्शन मंगलवार (6 अक्टूबर) को दिल्ली में जोरदार हंगामे में बदल गया। INDIA ब्लॉक के सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग के निर्वाचन सदन तक मार्च निकाला और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई जगहों पर धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने नेताओं को चुनाव आयोग जाने से रोक दिया है। नेताओं को अलग-अलग थानों में बैठा दिया गया है।

चुनाव में गड़े मुर्दे क्यों उखाड़ते हैं: सीएमयोगी के औरंगजेब वाले बयान पर सपा सांसद रुचि वीरा का पलटवार



नई दिल्ली। सपा सांसद रुचि वीरा ने ष्टरूयोगी के औरंगजेब बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें गड़े मुर्दे उखाड़ने की जरूरत है। साथ ही ये भी कहा कि सपा मुरादाबाद मंडल की सभी 6 सीटें जीतेगी।2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर एक तरफ राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। तो वहीं दूसरी तरफ नेताओं की बयानबाजी भी जारी है। इस बीच मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद रुचि वीरा का बयान सामने आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के औरंगजेब वाले बयान पर तीखा हमला किया है।

भारत की समुद्री ताकत को मिला नया बूस्ट, स्वदेशी फ्लीट सपोर्ट शिप *INS Surya* लॉन्च

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत को पहला स्वदेशी फ्लीट सपोर्ट शिप (आईएनएस सूर्य के रूप में मिल गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में इसे लॉन्च किया।

भारत की समुद्री ताकत और नौसेना की लंबी दूरी तक ऑपरेशनल क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को विशाखापट्टनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (में देश के पहले स्वदेशी फ्लीट सपोर्ट शिप आईएनएस सूर्य को लॉन्च किया।



स्लिपवे बढ़ती क्षमता का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि FSS-1 का लॉन्च उपलब्धि का प्रतीक है, FSS-5 की कील रखना संकल्प का और नया स्लिपवे बढ़ती क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने ॥स्रु से क्वालिटी, प्रोडक्टिविटी और समय पर डिलीवरी के मामले में देश के लिए बेंचमार्क बनने की बात कही।फ्लीट सपोर्ट शिप नौसेना के युद्धपोतों को समुद्र में लंबे समय तक ऑपरेशन जारी रखने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक सपोर्ट देते हैं। ये जहाज समुद्र में ही ईंधन, अन्य जरूरी सामग्री और रखरखाव संबंधी सहायता उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे।स्वदेशी तरीके से तैयार किए जा रहे ।

ग्रामीण महिला की अपने समक्ष कराई स्वास्थ्य जांच, आवश्यकता पर तत्काल कराया भर्ती

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही का किया औचक निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा व्यवस्था एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज को संवेदनशीलता के साथ समय पर समुचित उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल पहुंची एक ग्रामीण महिला के स्वास्थ्य की जानकारी ली और अपने समक्ष उसका रक्तचाप, वजन सहित आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकीय आवश्यकता को देखते हुए महिला को तत्काल अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने प्रसूति ओपीडी, वैक्सीन संग्रहण कक्ष, ड्रेसिंग रूम, ऑपरेशन थिएटर, आपातकालीन सेवा कक्ष सहित आईपीडी के महिला एवं पुरुष वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती



महिलाओं के पंजीयन की स्थिति तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहचान, निगरानी और उपचार के संबंध में जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यक जांच एवं उपचार समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि सुरक्षित मातृत्व और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिल सके।

कलेक्टर ने ओपीडी पंजी का अवलोकन कर प्रतिदिन आने वाले मरीजों एवं उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं की जानकारी ली। दवा वितरण काउंटर का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध दवाइयों की एक्सपायरी डेट की भी जांच की तथा दवाओं के सुरक्षित भंडारण एवं समय पर वितरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक के अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों को निर्धारित ड्रेस कोड का अनिवार्य रूप से पालन करने निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे भी उपस्थित थे।

ताकत का प्रदर्शन करेगी

हिंडन एयरबेस में फुल ड्रेस रिहर्सल, पहली बार प्रदर्शनी में ब्रह्मोस मिसाइल



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना अपने 94वें स्थापना दिवस 2026 की जोरदार तैयारी में है। 8 अक्टूबर को होने वाले समारोह में हिंडन एयरबेस पर पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल, तेजस और प्रचंड जैसे स्वदेशी हथियार प्रदर्शित होंगे।भारतीय वायु सेना अपने 94वें स्थापना दिवस की जोर शोर से तैयारियों में जुटी है। 8 अक्टूबर को होने वाले वायु सेना दिवस से पहले गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन में मुख्य परेड और फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया जा रहा है। खास बात ये है कि इस दौरान प्रदर्शनी में बार पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल को भी शामिल किया गया। जानकारी के मुताबिक हिंडन एयरबेस पर होने वाली प्रदर्शनी में ब्रह्मोस मिसाइल के साथ तेजस, सुखोई-30 एमकेआई और प्रचंड जैसे प्रमुख स्वदेशी और आधुनिक एयर एसेट्स भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इससे वायु सेना की बढ़ती स्ट्राइक क्षमता और स्वदेशी ताकत की झलक मिलेगी।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह लेंगे परेड की सलामी

8 अक्टूबर को हिंडन में होने वाली मुख्य परेड की सलामी एयर चीफ मार्शल एपी सिंह लेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और कई वीवीआईपी मेहमानों के शामिल होंगे। हालांकि, इस बार भी हिंडन में बड़े स्तर का एयर शो नहीं होगा, लेकिन ताकत का प्रदर्शन करेगी।

एक्टिंग चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया

जस्टिस नितिन वासुदेव साम्ब्रे बने दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय के सुप्रीम कोर्ट का जज बनाए जाने के बाद जस्टिस नितिन वासुदेव साम्ब्रे को दिल्ली हाई कोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है।



जस्टिस नितिन वासुदेव साम्ब्रे को सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट का एक्टिंग चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय को सुप्रीम कोर्ट में प्रमोट किए जाने के बाद केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय ने इस बारे में एक नोटिफिकेशन जारी किया। मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन में कहा, 'भारत के संविधान के आर्टिकल 223 से मिली पावर का इस्तेमाल करते हुए प्रेसिडेंट दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस नितिन वासुदेव साम्ब्रे को उस हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के ऑफिस की ड्यूटी करने के लिए अपॉइंट करते हैं। यह उस तारीख से लागू होगी जब जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय भारत के सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर अपनी प्रमोशन के बाद चीफ जस्टिस का ऑफिस छोड़ देंगे' ।जस्टिस साम्ब्रे का जन्म 19 दिसंबर, 1967 को नागपुर में हुआ था।

दिल्ली में आंधी-बारिशज यूपी-बिहार से हिमाचल तक बिगड़ा मौसम, जानें 20 राज्यों का हाल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

आज का मौसम=देश के कई हिस्सों से मॉनसून की विदाई शुरू हो चुकी है, लेकिन मौसम अभी भी सक्रिय बना हुआ है। आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में बारिश हो सकती है। देश के कई हिस्सों से मॉनसून विदा हो चुका है, लेकिन मौसम अभी भी सक्रिय है। मौसम विभाग के अनुसार, अलग-अलग स्तरों पर बनी कई मौसम प्रणालियों के प्रभाव है, जिससे भारत के कई भागो में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम बनने की बहुत अधिक संभावना नजर आ रही है। इस बीच मौसम के तेवर और ज्यादा तल्ख हो सकते हैं। आंधी-बारिश देखने को मिल सकती है।

जिम्मेदारी लेने से इनकार

पत्रकार से छेड़छाड़ के आरोपी एसीपी विवेक भगत का प्रमोशन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान छेड़खानी के आरोपों को लेकर चर्चा में आए दिल्ली पुलिस केएसीपी ववेक भगत का प्रमोशन कर दिया गया है। उन्हें एडिशनल एसीपी का पद दिया गया है।

दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के आरोपी दिल्ली पुलिस के एसीपी को 11 अन्य अधिकारियों के साथ एडिशनल एसीपी के पद पर पदोन्नत किया गया है। हालांकि आरोपी एसीपी विवेक भगत को



एडीसीपी का कार्यभार फिलहाल नहीं दिया जाएगा, क्योंकि दिल्ली सरकार ने सोमवार को जारी आदेश में संशोधन करने का फैसला किया है।तीन महिला पत्रकारों ने बीते शनिवार को जंतर-मंतर पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन का आरोप लगाया था।

:बंगाल में पुलिस ने हुमायूं कबीर को गिरफ्तार किया; ममता न CM-विधायक, न उम्मीदवार

बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की 6 सीटों पर वोटिंग

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इस दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं।वहीं, मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठाया जा रहा है।जिन सीटों पर वोटिंग हो रही है, उनमें पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट और असम की नगांव लोकसभा सीट शामिल हैं। सभी सीटों के



नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे।पश्चिम बंगाल में एजेयूपी चीफ और विधायक हुमायूं कबीर की गिरफ्तारी पर शुभेंदु अधिकारी ने कहा-मुझे भी गिरफ्तार किया जा सकता है। वह बूथ से बाहर निकले और हस्तक्षेप किया। मैंने बूथ पर वोट डाला, इसके बाद मैं किराए के बूथ पर जाऊंगा और थोड़ा आराम करने के बाद कोलकाता चला जाऊंगा। अगर मैं किसी दूसरे बूथ पर जाता हूं, तो मुझे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यही नियम है।1नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग से ठीक एक दिन पहले चुनाव आयोग ने नंदीग्राम थाने के प्रभारी (आईसी) को बदल दिया है।

सोमवार को मौजूदा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा को हटाकर उनकी जगह देबाशीष सरकार को नया प्रभारी बनाया गया।

दरअसल, विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी कि अजय कुमार मिश्रा सत्ताधारी पार्टी के करीबी हैं, जिसके बाद आयोग ने यह कार्रवाई की। मिश्रा को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले यहां तैनात किया गया था।

तमिलनाडु में पांच दलों के बीच कड़ा मुकाबला

उपचुनाव के नतीजे तय करेंगे कि विधानसभा में टीवीके की ताकत बढ़ा पाती है या नहीं। वहीं, द्रमुक के लिए यह चुनाव वापसी के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में उसे हार की उम्मीद नहीं थी। तीसरे स्थान पर खिसकने के बाद अन्नाद्रमुक ने अपना खोया हुआ।

न्यूज इन शॉर्ट



'सेवा संकल्प अभियान' = 'सेवा की कहानी- समूह से मिला एक लाख रुपये का सहारा, दुकान और ठेले से आत्मनिर्भर बनीं लाजो'

रायपुर, 'सेवा की कहानी- समूह से मिला एक लाख रुपये का सहारा, दुकान और ठेले से आत्मनिर्भर बनीं लाजो'खेती-बाड़ी का कोई साधन नहीं और चार सदस्यीय परिवार की जिम्मेदारी के बीच सरगुजा जिले की लाजो ने स्वरोजगार को अपनी आजीविका का आधार बनाया है। स्व-सहायता समूह से मिले एक लाख रुपये के ऋण ने उन्हें स्वयं का काम शुरू करने का अवसर दिया। उन्होंने इस राशि से दुकान और ठेले का व्यवसाय शुरू किया और आज इसी से होने वाली आमदनी के सहारे परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ समूह से लिए ऋण की मूल राशि और ब्याज भी चुका रही हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम लिबरा निवासी लाजो की यह कहानी बताती है कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मिलने वाला आर्थिक सहयोग ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की राह दिखा सकता है। खेती का साधन नहीं होने के बावजूद लाजो ने अपनी मेहनत से आय का जरिया तैयार किया और आज वे अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।'एक लाख रुपये के ऋण से शुरू किया अपना व्यवसाय' लाजो बताती हैं कि उनके पास खेती-बाड़ी नहीं है। ऐसे में परिवार के भरण-पोषण के लिए नियमित आमदनी का साधन जुटाना जरूरी था। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें एक लाख रुपये का ऋण मिला। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपना छोटा व्यवसाय शुरू करने में किया।

लाजो ने दुकान के साथ ठेला भी शुरू किया। धीरे-धीरे व्यवसाय से आमदनी होने लगी और परिवार के लिए नियमित आय का रास्ता बना। अब इसी कमाई से वे घर के जरूरी खर्च पूरे कर रही हैं और अपने व्यवसाय को भी आगे बढ़ा रही हैं।

'चार सदस्यीय परिवार के लिए बनीं मजबूत सहारा'

लाजो के परिवार में चार सदस्य हैं। खेती-बाड़ी नहीं होने के कारण उनके व्यवसाय से होने वाली कमाई परिवार की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन गई है। वे बताती हैं कि ठेले और दुकान से होने वाली आय से घर का खर्च चलाने में मदद मिल रही है।स्वरोजगार ने उन्हें परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां संभालने के साथ आत्मनिर्भर बनने का भरोसा भी दिया है। नियमित रूप से व्यवसाय चलाते हुए वे अपनी आय से परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं।'परिवार भी संभाला, ऋण की जिम्मेदारी भी निभा रहीं'लाजो की सफलता की खास बात यह है कि व्यवसाय से होने वाली आमदनी से वे केवल परिवार का भरण-पोषण ही नहीं कर रहीं, बल्कि समूह से लिए गए ऋण की मूल राशि और ब्याज का भुगतान भी कर रही हैं। इससे उनका व्यवसाय आर्थिक अनुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

लाजो का कहना है कि उनका व्यवसाय अच्छी तरह चल रहा है और इससे उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर मिला है। समूह से मिली सहायता ने उन्हें किसी दूसरे आय के साधन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं का काम शुरू करने का रास्ता दिया। 'समूह की मदद से आत्मनिर्भरता की राह हुई आसान'स्व-सहायता समूह से मिला एक लाख रुपये का ऋण लाजो के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि स्वयं की आजीविका खड़ी करने का अवसर साबित हुआ। खेती का साधन नहीं होने के बावजूद उन्होंने स्वरोजगार को अपनाकर परिवार के लिए आय का स्रोत तैयार किया।

लाजो ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समूह से मिली मदद के कारण वे आज अपने परिवार का भरण-पोषण कर पा रही हैं और आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ी हैं। उनकी कहानी ग्रामीण महिलाओं के लिए इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि समूह से मिले अवसर और स्वयं की मेहनत से स्वरोजगार को परिवार की आजीविका का मजबूत आधार बनाया जा सकता है।

सम्मान निधि से खेती को सहारा, किसान मदन सिंह की जरूरत के समय काम आ रहे 6 हजार रुपये

ग्राम चैनपुर के किसान के लिए खाद-बीज और कृषि जरूरतों में मददगार बनी पीएम-किसान योजना

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

खेती में मेहनत के साथ समय पर संसाधनों की उपलब्धता भी बेहद जरूरी होती है। बुआई से लेकर फसल तैयार होने तक किसान को खाद, बीज और दूसरी कृषि जरूरतों के लिए राशि की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में मिलने वाली आर्थिक सहायता किसान के लिए बड़ा सहारा बनती है। ग्राम चैनपुर निवासी किसान मदन सिंह के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ऐसी ही मदद का माध्यम बनी है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन में आए बदलावों की कहानियां सामने आ रही हैं। मदन सिंह भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित किसानों में शामिल हैं। योजना के तहत मिलने वाली राशि उन्हें खेती से जुड़े जरूरी खर्चों को पूरा करने में सहयोग दे रही है।

खाद-बीज की जरूरत के समय मिलती है



मदद

मदन सिंह बताते हैं कि खेती में मौसम और फसल के अनुसार खर्च लगातार सामने आते रहते हैं। कभी बीज की जरूरत होती है तो कभी खाद एवं अन्य कृषि सामग्री खरीदनी पड़ती है। इन आवश्यकताओं को समय पर पूरा करना खेती के लिए जरूरी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली राशि ऐसे समय में उनके लिए उपयोगी साबित होती है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि 2-2 हजार रुपये की तीन किस्तों में डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में पहुंचती है। सीधे खाते में राशि मिलने से किसान अपनी आवश्यकता के अनुरूप इसका उपयोग कर सकते हैं।

सीधे खाते में राशि मिलने से बढ़ी सहूलियत

मदन सिंह का कहना है कि सम्मान निधि की राशि सीधे बैंक खाते में आने से उन्हें जरूरत के समय आर्थिक सहयोग मिल जाता है। खेती के दौरान होने वाले छोटे-बड़े खर्चों को पूरा करने में यह राशि सहायक बनती है। विशेष रूप से खाद, बीज और अन्य आवश्यक कृषि सामग्री की व्यवस्था करने में इससे राहत मिलती है।

किसान के लिए समय पर कृषि कार्य करना महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में जरूरत के समय उपलब्ध होने वाली सहायता खेती की निरंतरता बनाए रखने में सहयोग करती है। मदन सिंह के लिए सम्मान निधि की राशि भी इसी तरह उनकी मेहनत के साथ आर्थिक संबल बनकर जुड़ी है।

किसान मदन सिंह ने जताया आभार

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिल रहे लाभ पर मदन सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में संचालित योजनाओं से खेती-किसानी के कार्यों को पूरा करने में आर्थिक सहायता मिल रही है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान 2026 के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया जा रहा है। ग्राम चैनपुर के किसान मदन सिंह की कहानी भी इसका उदाहरण है, जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि खेती की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में मददगार बनकर किसान और उसके परिवार को आर्थिक संबल दे रही है।

डिजिटल सेवा ने आसान की राह, बेबी अग्रवाल को महज एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र

सेवा सेतु पोर्टल से घर बैठे आवेदन, त्वरित सेवा से खुश हितग्राही ने कहा-समय और मेहनत दोनों की हुई बचत

महेंद्र शुक्ला एमसीबी शासकीय सेवाओं के लिए लंबी प्रक्रिया और कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय अब डिजिटल माध्यम नागरिकों की राह आसान कर रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान 2026 के दौरान ऐसा ही सुखद अनुभव मनेन्द्रगढ़ विकासखंड निवासी बेबी अग्रवाल को हुआ। उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया और महज एक दिन में उनका आय प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से बेबी अग्रवाल बेहद प्रसन्न हैं। उनका अनुभव बताता है कि तकनीक आधारित सेवाएं किस तरह आम नागरिकों के समय और मेहनत की बचत करते हुए शासकीय सेवाओं तक पहुंच को सरल एवं सुविधाजनक बना रही हैं।



आवेदन किया और अगले ही दिन मिला प्रमाण पत्र

बेबी अग्रवाल बताती हैं कि आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया उनके लिए आसान रही और सबसे बड़ी राहत तब मिली, जब महज एक दिन में आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। उन्होंने कहा कि कम समय में प्रमाण पत्र मिलने से उनका जरूरी काम समय पर पूरा हो सका। ऑनलाइन व्यवस्था के कारण अनावश्यक भागदौड़ से भी राहत मिली। त्वरित सेवा ने न केवल उनका समय बचाया, बल्कि डिजिटल माध्यम से उपलब्ध शासकीय सेवाओं के प्रति भरोसा भी बढ़ाया। सेवा सेतु से शासकीय सेवाओं तक पहुंच हुई आसान सेवा सेतु जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के साथ आवेदन की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

आप प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत का सरगुजा संभाग दौरा, सभी विधानसभाओं में करेंगे कार्यकर्ता संवाद

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं दिल्ली के सुल्तानपुर माजरा से विधायक मुकेश अहलावत, प्रदेश सह-प्रभारी राजेश कुमार एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा का 01 अक्टूबर से 06 अक्टूबर 2026 तक सरगुजा संभाग एवं आसपास के विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक प्रवास होगा।

इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता 01 अक्टूबर को प्रेमनगर, 02 अक्टूबर को अंबिकापुर एवं लुण्ड्रा, 03 अक्टूबर को सीतापुर एवं कुनकुरी, 04 अक्टूबर को सामरी/रामानुजगंज, 05 अक्टूबर को प्रतापपुर, भैयाथान एवं सूरजपुर तथा 06 अक्टूबर को बैकुण्ठपुर एवं मनेंद्रगढ़ में विधानसभाओं में कार्यकर्ता सम्मेलन, संगठनात्मक बैठक एवं कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

दौरे के दौरान 03 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे अंबिकापुर सर्किट हाउस में तथा 06 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे सूरजपुर सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश प्रभारी एवं वरिष्ठ नेता मीडिया से संवाद करेंगे।

दौरे का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना तथा आगामी चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करना है। विशेष रूप से प्रेमनगर और बैकुण्ठपुर में चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।



प्रदेश प्रवक्ता लव कुमार दुबे ने बताया कि आम आदमी पार्टी आगामी नगरीय निकाय चुनाव में बैकुण्ठपुर और प्रेमनगर में नगरीय निकाय चुनाव लड़ेगी तथा जनता को तीसरे विकल्प के रूप में अपनी मजबूत राजनीतिक उपस्थिति देगी।



उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता भाजपा और कांग्रेस की दो-दलीय राजनीति से थक चुकी है और अब एक नए राजनीतिक विकल्प की तलाश में है। आम आदमी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, रोजगार और अन्य जनसरोकार के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

लव कुमार दुबे ने कहा कि प्रदेश प्रभारी एवं वरिष्ठ नेताओं के इस प्रवास से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आएगा और आगामी चुनावों को लेकर संगठन को और मजबूती मिलेगी।

विद्यार्थियों को बड़ी राहत, जरूरी दस्तावेजों के लिए अब नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल, माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाएं लोक सेवा गारंटी के दायरे में

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

विद्यार्थियों और अभिभावकों को शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए अब बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के दायरे में लाते हुए उनके निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। इससे विद्यार्थियों को जरूरी दस्तावेज समय पर मिलने के साथ सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

नई व्यवस्था के तहत डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी सेवाएं निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाएंगी। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई है। उत्तर



पुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी संबंधी सेवाओं के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के बाद 60 दिवस की समय-सीमा रखी गई है।

शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही दस्तावेजों के लिए परेशान होना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं है। परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए हर दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए जरूरी दस्तावेज समय पर उपलब्ध होना आवश्यक है। सरकार की प्राथमिकता विद्यार्थियों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपना समय पढ़ाई और भविष्य निर्माण में लगाएं, उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने में समय और ऊर्जा खर्च न करनी पड़े। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को विद्यार्थी केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। माध्यमिक शिक्षा मंडल की सेवाओं को समय-सीमा से जोड़ना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को विद्यार्थियों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी विद्यार्थी को केवल दस्तावेज प्राप्त करने अथवा परीक्षा संबंधी प्रक्रिया के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए।नई व्यवस्था से विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जिन्हें आगे की पढ़ाई, प्रवेश, छात्रवृत्ति अथवा अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए डुप्लीकेट अंकसूची, माइग्रेशन प्रमाण-पत्र या उत्तरपुस्तिका से संबंधित सेवाओं की आवश्यकता होती है। लोक सेवा गारंटी के तहत समय-सीमा तय होने से इन सेवाओं में जवाबदेही बढ़ेगी और विद्यार्थियों को समय पर अपने जरूरी दस्तावेज प्राप्त करने में सहूलियत होगी।

सेवा की कहानी : एक गाय से शुरू हुआ सफर, आज 10 पशुओं का समृद्ध पशुधन

रायपुर, एक गाय से शुरू हुआ पशुपालन का छोटा-सा प्रयास आज 10 पशुओं के समृद्ध पशुधन में बदल चुका है। सरगुजा जिले के ग्राम चटीरमा निवासी अगस्तु खाखा ने मेहनत, लगन और पशुपालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से पशुपालन को परिवार की स्थायी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। दूध की नियमित बिक्री से उन्हें हर महीने आय हो रही है, वहीं कृत्रिम गर्भाधान से तैयार उन्नत नस्ल के पशुओं की बिक्री भी अतिरिक्त आमदनी का जरिया बनी है।



अगस्तु बताते हैं कि उन्होंने पशुपालन की शुरुआत केवल एक गाय से की थी। पशुपालन विभाग के अधिकारियों से उन्हें पशुओं की बेहतर देखभाल और नस्ल सुधार के लिए कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी मिली। उन्होंने विभाग की सलाह को अपनाया और कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा का लाभ लेना शुरू किया। इससे धीरे-धीरे उनके पशुधन की संख्या बढ़ती गई और पशुपालन को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का रास्ता खुला।

आज अगस्तु के पास कुल 10 पशु हैं। इनमें चार गायें दुग्ध उत्पादन कर रही हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 30 लीटर दूध प्राप्त हो रहा है। दूध की नियमित बिक्री से परिवार को स्थायी आमदनी मिल रही है। पशुओं के चारे, देखभाल और अन्य जरूरी खर्च निकालने के बाद अगस्तु को पशुपालन से लगभग 15 हजार रुपये प्रतिमाह की शुद्ध आय हो रही है।

ग्राम सिरौली के किसान को सालाना मिल रहे 6 हजार रुपये, खाद-बीज और कृषि जरूरतों को पूरा करने में मिल रही मदद

पीएम-किसान से पालमन की खेती को मिला सहारा, जरूरत के वक्त काम आ रही सम्मान निधि

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

खेत में अच्छी फसल की उम्मीद किसान की मेहनत के साथ समय पर खाद, बीज और जरूरी कृषि संसाधनों की उपलब्धता पर भी निर्भर करती है। खेती के अलग-अलग चरणों में होने वाले खर्चों के बीच समय पर मिलने वाली आर्थिक सहायता किसान को राहत देती है। ग्राम सिरौली निवासी किसान पालमन के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ऐसी ही मदद का जरिया बनी है। योजना से मिलने वाली राशि उन्हें खेती-किसानी की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक संबल दे रही है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियां सामने लाई जा रही हैं। इसी कड़ी में पालमन की कहानी बताती है कि सीधे बैंक खाते में पहुंचने वाली सम्मान निधि किस तरह जरूरत के समय किसान के काम आ रही है।

खेती में हर मौसम के साथ आती हैं



नई जरूरतें

पालमन बताते हैं कि खेती में फसल और मौसम के अनुसार अलग-अलग समय पर खर्च करना पड़ता है। बुआई के लिए बीज की व्यवस्था हो या फसल के लिए खाद एवं अन्य कृषि सामग्री की जरूरत, किसान को समय पर संसाधन जुटाने होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली राशि इन आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग देती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि 2-2 हजार रुपये की तीन समान किस्तों में डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी किसान के बैंक खाते में पहुंचती है। इससे किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार कृषि कार्यों में राशि का उपयोग कर पाते हैं।

जरूरत के समय आर्थिक सहायता से मिलती है बड़ी राहत

पालमन का कहना है कि खेती में कई बार ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिन्हें टाला नहीं जा सकता। समय पर खाद, बीज एवं जरूरी सामग्री उपलब्ध नहीं होने से कृषि कार्य प्रभावित हो सकता है। ऐसे समय में सम्मान निधि की राशि खाते में मिलने से जरूरी खर्चों को पूरा करने में सुविधा होती है। उनके मुताबिक योजना की सबसे बड़ी उपयोगिता यह है कि सहायता राशि सीधे बैंक खाते में आती है। इससे किसान को राशि प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता और जरूरत के अनुरूप उसका उपयोग किया जा सकता है। सम्मान निधि की राशि खेती के सभी खर्चों के लिए पर्याप्त भले न हो, लेकिन आवश्यकता के समय मिलने वाला यह सहयोग किसान के लिए उपयोगी सहारा बनता है।

सम्मान निधि ने बढ़ाया आर्थिक भरोसा

खेती पर निर्भर परिवारों के लिए कृषि से जुड़ा प्रत्येक खर्च महत्वपूर्ण होता है। पालमन के लिए भी पीएम-किसान से मिलने वाली राशि खाद, बीज एवं खेती की अन्य छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर रही है। इससे कृषि कार्यों को समय पर आगे बढ़ाने में सहूलियत मिलने के साथ परिवार को आर्थिक राहत भी मिलती है। योजना का लाभ मिलने पर किसान पालमन ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि किसानों के हित में संचालित योजनाओं से खेती-किसानी के कार्यों में आर्थिक सहयोग मिल रहा है और जरूरत के समय मिलने वाली सहायता से बड़ी राहत मिलती है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान 2026 शासन की योजनाओं से आमजन के जीवन में आए बदलावों को सामने लाने का माध्यम बन रहा है। ग्राम सिरौली के किसान पालमन की कहानी भी इसी बदलाव की एक तस्वीर है, जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली आर्थिक सहायता किसान की मेहनत के साथ जुड़कर खेती की जरूरतों को पूरा करने में मददगार बन रही है।

न्यूज इन शॉर्ट

स्वच्छता एक आदत है जो धीरे-धीरे संस्कार बनेगी- मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के ऐतिहासिक 25 वर्ष पूर्ण होने के सुअवसर पर जारी सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर में विविध जनसेवा कार्यक्रमों की धूम है। इसी कड़ी में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को राज्य के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा की अगुवाई में बलौदाबाजार स्थित ऐतिहासिक षष्ठी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान राजस्व मंत्री वर्मा, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों ने स्वयं हाथों में झाड़ू थामकर सड़कों पर बिखरे कचरे को साफ किया और उसे डस्टबिन में एकत्रित किया। मंत्री वर्मा के इस प्रतीकात्मक पहल ने आमजनों को स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखने का एक सशक्त संदेश दिया।

राजस्व मंत्री वर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 सफल वर्षों के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता केवल एक दिवस का कार्य नहीं, बल्कि एक आदत है जो धीरे-धीरे हमारे व्यवहार का हिस्सा बनती है। हर्ष का विषय है कि आज इस अभियान के माध्यम से जन-जन में स्वच्छता के प्रति अभूतपूर्व जागरूकता देखने को मिल रही है।?स्वच्छता के इस महाअभियान में कलेक्टर , भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष, नगर पालिका उपाध्यक्ष सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होकर अपना श्रमदान दिया।



पंचायत कर्मचारियों को पेंशन नहीं, हाईकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कीं

बिलासपुर- हाईकोर्ट ने पंचायत कर्मचारियों की पेंशन संबंधी याचिकाओं पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की सिंगल बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता पेंशन पाने का कोई वैधानिक अधिकार स्थापित नहीं कर सके। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पंचायत कर्मचारी सरकारी कर्मचारी नहीं हैं और उनके सेवा संबंधी मामले अलग नियमों से संचालित होते हैं। दरअसल, मामला प्रदेश के अलग-अलग जनपद पंचायतों से सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़ा था। याचिकाकर्ताओं ने लंबे समय तक सेवा करने और कुछ अन्य जनपद पंचायतों में कर्मचारियों को पेंशन मिलने का हवाला देते हुए पेंशन देने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि कुछ जनपद पंचायतों द्वारा अपने स्तर पर पेंशन दिए जाने से सभी पंचायत कर्मचारियों को वैधानिक रूप से पेंशन का अधिकार नहीं मिल जाता।द्यह्य ऋह्लड्डस्र - इंजेक्शन के बाद बिगड़ी युवक की हालत, इलाज के दौरान मौत, झोलाछाप डॉक्टर फरार ज्यादा जानें ।द्बद्वड्डस्रद्ब स्ड्डद्बड्डष्द्धड्डह्लह्लश्चश्च ताजा खबर छत्तीसगढ़ समाचार कोर्ट ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम की धारा 131 केवल पहले से मौजूद वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभों को संरक्षण देती है, इससे नई पेंशन का अधिकार पैदा नहीं होता। याचिकाकर्ताओं की सेवा शर्तों में सेवानिवृत्ति लाभ प्रोविडेंट फंड योजना के तहत थे, और वे कंट्रीब्यूटरी प्रोविडेंट फंड का लाभ ले रहे थे। ऐसे में पेंशन देने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि दूसरे किसी प्राधिकरण द्वारा दिए गए लाभ के आधार पर वैधानिक अधिकार की मांग नहीं की जा सकती। सभी याचिकाओं में कोई मेरिट नहीं पाए जाने पर हाईकोर्ट ने उन्हें खारिज कर दिया और लागत के संबंध में कोई आदेश नहीं दिया।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से पेयजल समस्या का समाधान, तपकरा के करीब 200 परिवारों को मिली

शिकायत मिलते ही हुई कार्रवाई, नया मोटर लगाकर जलापूर्ति की गई बहाल

सेवा संकल्प अभियान 2026 - सेवा की कहानी - सीएम हेल्पलाइन 1076 से पेयजल समस्या का समाधान, तपकरा के करीब 200 परिवारों को मिली राहत

समाधान के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि की भी हुई पुष्टि

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में सीएम हेल्पलाइन 1076 उपयोगी माध्यम बन रही है। जशपुर जिले के तपकरा में करीब 15 दिनों से बनी पेयजल समस्या की शिकायत हेल्पलाइन तक पहुंचने के बाद संबंधित विभाग ने कार्रवाई करते हुए नया मोटर लगाया और जलापूर्ति बहाल कर दी। इससे पेयजल समस्या से प्रभावित करीब 200 घर-परिवारों को राहत मिली है।



फरसाबहार विकासखंड के ग्राम तपकरा निवासी श्री ओम प्रकाश ने 26 अगस्त 2026 को सीएम हेल्पलाइन 1076 पर पेयजल समस्या को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि मोटर और पाइपलाइन से संबंधित समस्या के कारण गांव में लगभग 15 दिनों से जलापूर्ति प्रभावित थी। इसके चलते करीब 200 परिवारों को पेयजल की परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

शिकायत पहुंची तो शुरू हुई कार्रवाई, नया मोटर लगाकर बहाल की जलापूर्ति

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के बाद प्रकरण संबंधित विभाग तक पहुंचाया गया। ग्राम तपकरा में संचालित रेट्रो जल प्रदाय योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत द्वारा नया मोटर लगाया गया, जिसके बाद गांव में जलापूर्ति पुनः बहाल हो गई।पेयजल व्यवस्था सामान्य होने से प्रभावित परिवारों को राहत मिली। अब उन्हें नियमित जलापूर्ति की सुविधा मिल रही है। समस्या का समाधान होने के बाद शिकायतकर्ता श्री ओम प्रकाश की संतुष्टि की भी पुष्टि की गई।

शिकायत से समाधान और संतुष्टि तक जुड़ रही व्यवस्था

सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे शासन-प्रशासन तक पहुंचा पा रहे हैं। प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों तक भेजकर उनके निराकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। समाधान के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि की पुष्टि किए जाने से शिकायत निवारण व्यवस्था में जवाबदेही भी सुनिश्चित हो रही है।तपकरा में पेयजल समस्या का

सरगुजा को बड़ी रेल सौगात, अम्बिकापुर से हजरत निजामुद्दीन के लिए अब सप्ताह में दो दिन सीधी ट्रेन

मंगलवार और गुरुवार को अम्बिकापुर से दिल्ली के लिए मिलेगी सीधी रेल सुविधा

सरगुजा संभाग की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी, सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने द्वितीय साप्ताहिक ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन का भी हो रहा विस्तार, नया प्लेटफॉर्म, रेलवे लाइन और बड़े फुट ओवरब्रिज का निर्माण प्रगति पर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सरगुजा संभाग के रेल यात्रियों के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का सफर अब और सुगम होगा। अम्बिकापुर से हजरत निजामुद्दीन के बीच संचालित एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर दो दिन कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण रेल सुविधा से सरगुजा संभाग के साथ जशपुर, रायगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी दिल्ली तक सीधी रेल कनेक्टिविटी का अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से मंगलवार को द्वितीय साप्ताहिक ट्रेन को सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने हरी झंडी दिखाकर प्रातः 7.30 बजे रवाना किया। उन्होंने ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों से मुलाकात की, पुष्प भेंट किए और सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। अतिरिक्त रेल सेवा शुरू होने को लेकर यात्रियों में भी उत्साह दिखाई दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा गाड़ी संख्या 22407 अम्बिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस अब प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को अम्बिकापुर से प्रातः 7.30 बजे रवाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 22408 हजरत निजामुद्दीन-अम्बिकापुर एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार और मंगलवार को रात्रि 11 बजे हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान करेगी। ट्रेन की आवृत्ति बढ़ने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और अन्य आवश्यक कार्यों से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी।

सरगुजा संभाग की लंबे समय से चली आ रही मांग हुई पूरी

सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि अम्बिकापुर से दिल्ली के लिए संचालित ट्रेन को सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर दो दिन किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए लगातार प्रयास किए गए। अब अतिरिक्त फेरा शुरू होने से सरगुजा संभाग के यात्रियों को दिल्ली आने-जाने के लिए बेहतर और सुविधाजनक रेल विकल्प उपलब्ध होगा।उन्होंने कहा कि सप्ताह में केवल एक दिन ट्रेन यात्रा की सुविधा नहीं मिल पाती थी।

राज्यपाल डेका से कामधेनु विश्वविद्यालय के कार्य परिषद सदस्यों ने की भेंट



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के कार्य परिषद के सदस्यों ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की गतिविधियों तथा गोवंश संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।कार्य परिषद के सदस्यों ने राज्यपाल का ध्यान आकर्षित कराया कि देश के विभिन्न राज्यों में वहां के स्थानीय एवं देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के अपने विशिष्ट देशी गोवंश 'कोसली' के संरक्षण, संवर्धन और उसकी नस्ल की पहचान को बढ़ावा देने के लिए भी प्रभावी पहल किए जाने की आवश्यकता है।राज्यपाल श्री डेका ने विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कोसली गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय गोवंश की नस्लों का संरक्षण हमारी जैव विविधता, पशुपालन परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

छत्तीसगढ़ बाल कल्याण परिषद को ई-रिक्शा प्रदत्त



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित स्कूल के लिए अपने स्वेच्छानुदान मद से ई-रिक्शा प्रदान किया है। राज्यपाल ने आज लोकभवन में ई-रिक्शा की चॉबी सौंपी और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि बाल कल्याण के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं को इस पहल से जरूरतमंद बच्चों तक सेवाओं और सहायता को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती कमल वर्मा, संयुक्त सचिव श्री राजेन्द्र निगम एवं श्री प्रकाश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा जैन उपस्थित रहीं।

असंगठित महतारी जतन योजना से मनतोसी चौहान को मिली 20 हजार रुपये की सहायता

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

श्रम विभाग के तहत असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल की विभिन्न योजनाओं का लाभ श्रमिकों को मिल रहा है। कोरबा जिले के कोहड़िया के चारपारा निवासी घरेलू कार्य करने वाली मनतोसी चौहान को श्रम विभाग की असंगठित महतारी जतन योजना के अंतर्गत पहले बच्चे के जन्म पर 20 हजार रुपये की सहायता राशि मिली। उन्होंने योजना से प्राप्त राशि का उपयोग प्रसव के बाद बच्चे के लालन-पालन और पोषण में किया।

मनतोसी चौहान असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत घरेलू कर्मकार के रूप में पंजीकृत हैं तथा उनके पति वाहन चालक हैं। श्रीमती मनतोसी ने बताया कि उन्हें श्रम विभाग से योजना की जानकारी मिली थी।



मातृत्व की राह में सरकार बनी सहारा, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से वर्षा पुरी को मिला आर्थिक संबल

रायपुर मातृत्व का समय एक महिला के जीवन का बेहद महत्वपूर्ण दौर होता है। इस दौरान बेहतर पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और नवजात शिशु की आवश्यकताओं के लिए परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संसाधनों की जरूरत होती है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जरूरतमंद गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बन रही है।

योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता से उन्हें बच्चे की देखभाल में मदद मिली। साथ ही, उन्हें प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का लाभ भी मिल रहा है। योजनाओं से मिल रही आर्थिक सहायता के लिए मनतोसी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि शासन की योजनाएं जरूरतमंद परिवारों को प्रतिकूल परिस्थितियों और कठिन समय में संबल देती हैं।

क्या है असंगठित महतारी जतन योजना

यह योजना श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा चलाई जाती है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली गर्भवती महिला श्रमिकों को मातृत्व के दौरान पोषण और इलाज के लिए आर्थिक मदद देना इसका उद्देश्य है। इसके तहत पंजीकृत श्रमिक के बच्चे के जन्म पर 20 हजार रूपए सीधे बैंक खाते में जमा होते हैं।। योजनांतर्गत महिला या उसके पति का छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल में पंजीकृत श्रमिक होना जरूरी है और पंजीयन 90 दिन पुराना हो।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना

कार्य का विवरण: रेलवे परिसर के कुल 13,155 वर्ग मीटर क्षेत्र में से 6,530 वर्ग मीटर उपयोग–योग्य पार्किंग स्थल को दो–पहिया वाहनों (इलेक्ट्रिक दो–पहिया वाहन एवं साइकिल सहित) के लिए "पार्क एंड पे एट एग्जिट" प्रणाली के अंतर्गत पार्किंग प्रबंधन हेतु 03 वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस पर दिया जाएगा। इस पार्किंग के संचालन एवं प्रबंधन का संपूर्ण व्यय लाइसेंसधारी द्वारा वहन किया जाएगा तथा रेल यात्रियों से निर्धारित पार्किंग शुल्क का संग्रहण एग्जिट पाइंट पर किया जाएगा। लाइसेंस आवंटन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही **दिनांक 28.09.2026** को आईआरईपीएस वेबसाइट (**https://ireps.gov.in**) पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं:–

कैटेलॉग क्रमांक: BSP-2W-PARK-26 **श्रेणी:** Parking-Two Wheeler

नीलामी तिथि एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
14.10.2026 13:45:00	PARKING-BSP-BSP-TW-63-26-1	रेलवे परिसर के कुल 13,155 वर्ग मीटर क्षेत्र में से 6,530 वर्ग मीटर उपयोग–योग्य पार्किंग स्थल को दो–पहिया वाहनों (इलेक्ट्रिक दो– पहिया वाहन एवं साइकिल सहित) के लिए "पार्क एंड पे एट एग्जिट" प्रणाली के अंतर्गत पार्किंग प्रबंधन हेतु लाइसेंस पर दिया जाएगा। इस पार्किंग के संचालन एवं प्रबंधन का संपूर्ण व्यय लाइसेंसधारी द्वारा वहन किया जाएगा तथा रेल यात्रियों से निर्धारित पार्किंग शुल्क का संग्रहण एग्जिट पाइंट पर किया जाएगा।	1096 दिन

सीपीआर/10/पीएच/433 *कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/बिलासपुर*

South East Central Railway @secrail

सेवा संकल्प में बैगा अंचल तक पहुंची स्वास्थ्य सेवा,

सेवा संकल्प में बैगा अंचल तक पहुंची स्वास्थ्य सेवा, कुष्ठ के लक्षणों की पहचान के बाद बेदकुमारी को मिला निःशुल्क उपचार

कुष्ठ के लक्षणों की पहचान के बाद बेदकुमारी को मिला नि:शुल्क उपचार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के क्रम में ग्राम मन्नाबेदी, बोड़ला विकासखंड निवासी श्रीमती बेदकुमारी बैगा को कुष्ठ संबंधी स्वास्थ्य समस्या के उपचार से जोड़ा गया। शरीर पर दाग और झुनझुनी जैसे लक्षण दिखाई देने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनकी जांच कर आवश्यक स्वास्थ्य सलाह दी। इसके बाद राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत उन्हें निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय से आने वाली बेदकुमारी ने स्वास्थ्यकर्मियों के मार्गदर्शन में नियमित उपचार लिया। विभाग के अनुसार उपचार के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ है और वर्तमान में वे सामान्य दैनिक गतिविधियां कर रही हैं।



बेदकुमारी के लिए निःशुल्क दवा और उपचार की सुविधा महत्वपूर्ण रही। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लक्षणों की पहचान के बाद उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने और उपचार के दौरान मार्गदर्शन देने का काम किया गया।

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कुष्ठ संबंधी लक्षणों की पहचान कर लोगों को जांच एवं उपचार से जोड़ने का कार्य किया जाता है। बेदकुमारी के मामले में भी स्वास्थ्य टीम ने लक्षणों की पहचान के बाद उन्हें कार्यक्रम के तहत उपलब्ध उपचार की सुविधा दिलाई।

बेदकुमारी बैगा ने कहा, ÷समय पर कुष्ठ का इलाज मिलने से मुझे बीमारी से राहत मिली। निःशुल्क दवाई और उपचार उपलब्ध कराने के लिए शासन का धन्यवाद।

बेदकुमारी की कहानी सेवा संकल्प अभियान के उस प्रयास को सामने लाती है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और उपचार से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। दूरस्थ अंचलों में रहने वाले लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और समय पर उपचार उपलब्ध कराना इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर
ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal : http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई–पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार **हेतु दिनांक 21.10.2026**, तक निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्रं.	नि.आ.सू क्र. /दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख मे)
1	358	जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के व्यवहार न्यायालय परिसर के लिये **अस्पताल मुख्यद्वार पर गार्ड रूम एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। पेण्ड्रा संभाग पेण्ड्रा। मद संख्या – 67–4059–2450**	77.53

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता

262703769/1 **लो.नि.वि.,बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर**

न्यूज इन शॉर्ट

बरसात के बाद अब धरातल पर दिखेंगे सड़कों के काम, लोक निर्माण विभाग ने 6 कार्यों की निविदा को दी मंजूरी

रायपुर। राज्य शासन ने बरसात के बाद सड़कों के निर्माण में तेजी लाने की तैयारी पूरी कर ली है। लोक निर्माण विभाग ने धमतरी जिले में 6 कार्यों के लिए कुल 101 करोड़ 23 लाख 55 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी है। इनमें पांच सड़कों के मजबूतीकरण और चौड़ीकरण तथा आमदी नगर पंचायत में फोरलेन गौरव पथ एवं सौंदर्यीकरण का काम शामिल है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नए कार्यों की निविदा मंजूर करते हुए धमतरी संभाग के कार्यपालन अभियंता को चयनित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को कार्यादेश जारी कर तत्काल कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने धमतरी जिले में मेघा रोड तिराहा-स्टेशन रोड-चरमुड़िया राष्ट्रीय राजमार्ग-30 में 3.75 किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 14 करोड़ 45 लाख 12 हजार रुपए, पचपेड़ी-तर्रागोंदी-भेलवाकूदा-टिपानी-सेमरा (बी) मार्ग में पांच किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 13 करोड़ 32 लाख 82 हजार रुपए, नौ किलोमीटर छाती-गागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग के लिए 23 करोड़ 12 लाख 46 हजार रुपए तथा 10 किलोमीटर अर्जुनी-भानपुरी-तरसींवा-कुर्रा-अमलीडीह-हसदा सड़क के लिए 19 करोड़ 42 लाख 22 हजार रुपए की निविदा मंजूर की है।

विभाग ने राजनांदगांव-गुंडरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई राज्य मार्ग में 23 किलोमीटर लंबाई के मजबूतीकरण एवं डामरीकरण के लिए 11 करोड़ 70 लाख 83 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इसी मार्ग में पड़ने वाले आमदी नगर पंचायत में 3.50 किलोमीटर फोरलेन गौरव पथ के निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य के लिए भी 19 करोड़ 26 लाख 10 हजार रुपए की निविदा स्वीकृत की है। विभाग द्वारा इन निविदाओं का अनुमोदन अनुबंध के पूर्व ठेकेदारों से संपूर्ण कार्यावधि के लिए प्रभावशील एपीएस की राशि की बैंक गारंटी प्राप्त करने की शर्त पर की गई है।उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने धमतरी संभाग के कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित कार्यों का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करते हुए कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ये कार्य किसी अन्य को सबलेट नहीं करने तथा कार्य संपादन के लिए पॉवर-ऑफ-अटॉर्नी को मान्य नहीं करने भी कहा है। श्री साव ने अनुबंधित समयावधि में कार्यों को पूर्ण करने, कार्यों का संपादन अनुबंधानुसार प्रशासकीय स्वीकृति एवं आबंटन की सीमा में करने के भी निर्देश दिए हैं।

युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने रायपुर में होगा दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को रायपुर में राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा में आयोजित इस दो दिवसीय रोजगार मेले के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्त राज्य स्तरीय रोजगार मेले का मुख्य कार्यक्रम 8 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा, मंत्री श्री केदार कश्यप, श्री गुरु खुशवंत साहेब, श्री राम विचार नेताम, श्री दयाल दास बघेल, श्री लखन लाल देवांगन, श्री श्याम बिहारी जायसवाल, श्री ओ.पी. चौधरी, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, श्री टंकराम वर्मा, श्री राजेश अग्रवाल एवं श्री गजेन्द्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री राजेश मूणत, श्री अनुज शर्मा, श्री सुनील सोनी, श्री मोतीलाल साहू एवं श्री इंद्र कुमार साहू तथा नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। राज्य स्तरीय रोजगार मेले के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

'राज्योत्सव में होगा विजेता का सम्मान, उपलब्धियों पर आधारित सचित्र स्मारिका भी होगी जारी'

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान देगा 'चेन्दरू' पुरस्कार, उत्कृष्ट योगदान पर मिलेगा एक लाख रुपये का सम्मान'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के गांवों की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। पर्यटन विभाग ने ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट और प्रभावी कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा 'चेन्दरू, राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम, 2025' लागू किए गए हैं, जो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होंगे।



इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार का उद्देश्य केवल उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि ग्रामीण पर्यटन को स्थानीय रोजगार, आजीविका, सांस्कृतिक संरक्षण और सतत विकास का प्रभावी माध्यम बनाना भी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव हमारी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति की जीवंत विरासत हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि पर्यटन का लाभ केवल प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सीमित न रहे, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचे। ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से स्थानीय युवाओं, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए आजीविका तथा स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देने का प्रयास है, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, लोककला, लोकसंस्कृति, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर और समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित कर छत्तीसगढ़ देश में ग्रामीण पर्यटन का एक विशिष्ट मॉडल बन सकता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यटन को रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण पर्यटन में यह क्षमता है कि पर्यटक किसी स्थान को केवल देखें नहीं, बल्कि वहां की संस्कृति, परंपरा, खान-पान और जीवनशैली को करीब से अनुभव करें। इससे पर्यटन से होने वाली आय सीधे स्थानीय समुदाय तक पहुंच सकती है।

'चेन्दरू' नाम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच

पुरस्कार का नाम 'चेन्दरू' छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट पहचान को सामने लाता है, जिसने कभी बस्तर और यहां के सहज प्राकृतिक जीवन को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। अब इसी नाम से स्थापित राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार छत्तीसगढ़ के गांवों में पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जमीनी नायकों और संस्थाओं को सम्मान और पहचान प्रदान करेगा।

सोलह सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 64.43 करोड़ रुपयें स्वीकृत



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में 16 सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 64 करोड़ 43 लाख 63 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है।

जल संसाधन विभाग द्वारा महासमुंद जिले के अंतर्गत सरायपाली के कटंगी नाला पर ग्राम डुमरपाली में एनीकट निर्माण कार्य के लिए 03 करोड़ 52 लाख 99 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्य होने पर क्षेत्र में 100 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के कुन्ती नाला व्यपवर्तन के शीर्ष कार्य एवं नहरों के कार्यों तथा सी.सी. लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 74 लाख 31 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। स्वीकृत कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में किसानों को क्षेत्र में 170 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के विकासखण्ड-पिथौरा के अंतर्गत राजाडेरा जलाशय के नहर का सुदृढ़ीकरण एवं लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 95 लाख 88 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। जिससे क्षेत्रिय किसानों को 76 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के जामली जलाशय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए 04 करोड़ 24 लाख 05 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है कार्यो के पूर्ण होने पर 202 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जिले के परसदा जलाशय के मरम्मत रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 22 लाख 82 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इन कार्यो के पूर्ण होने पर 166 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसी तरह से जिले के छपोराडीह जलाशय की नहरों की लाईनिंग रिमाडलिंग तथा पक्के स्ट्रक्चरों के उन्नयन कार्यों के लिए 03 करोड़ 97 लाख 87 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। कार्यों के पूर्ण होने पर 103 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा निस्तारित होगी। बलौदा-बाजार भाठापारा जिले के अंतर्गत मोहतरा टार बांध योजना के जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्यों के लिए 02 करोड़ 27 लाख 88 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। कार्यों के पूर्ण होने पर 50 हेक्टेयर क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा मिलने लगेगी। बिटकुली जलाशय योजना के जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य के लिए 02 करोड़ 96 लाख 35 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना के कार्यों के पूर्ण होने पर 134 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी।

गरियाबंध जिले के अंतर्गत पतोरा व्यपवर्तन के शीर्ष जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य के लिए 02 करोड़ 02 लाख 50 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। कार्यों के पूर्ण होने पर करीब 84 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो जायेगी। गनियारी जलाशय के शीर्ष कार्य जीर्णोद्धार वेस्ट वियर की मरम्मत एवं मुख्य नहर के रिमाडलिंग एवं सीमेंट कांक्रिट लाईनिंग कार्य के लिए 04 करोड़ 66 लाख रुपये स्वीकृत किये गये है। इन कार्यों के पूर्ण होने पर 144 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार से जिले के ठाकुर देव जलाशय के शीर्ष मुख्य नहर शाखा नहरों एवं लाईनिंग कार्यों के लिए 04 करोड़ 35 लाख 73 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इन कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में 80 हेक्टेयर सिंचाई सुविधा हो जायेगी। धमतरी जिले के अंतर्गत राजाडेरा लघु जलाशय के जलद्वार के नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए 01 करोड़ 65 लाख 07 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में करीब 285 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो जायेगी। इसी प्रकार से धमतरी जिले के अंतर्गत महानदी रोड़ 89 लाख 03 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है।

सेवा संकल्प अभियान : स्वच्छता एक आदत है जो धीरे-धीरे संस्कार बनेगी : मंत्री टंक राम वर्मा

बलौदाबाजार में राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने हाथों में उठाई झाड़ू

मंदिर परिसर में चला विशेष स्वच्छता अभियान

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के ऐतिहासिक 25 वर्ष पूर्ण होने के सुअवसर पर जारी सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर में विविध जनसेवा कार्यक्रमों की धूम है। इसी कड़ी में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को राज्य के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा की अगुवाई में बलौदाबाजार स्थित ऐतिहासिक षष्ठी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया।

?अभियान के दौरान राजस्व मंत्री श्री वर्मा, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों ने स्वयं हाथों में झाड़ू थामकर सड़कों पर बिखरे कचरे को साफ किया और उसे डस्टबिन में एकत्रित किया।

मंत्री श्री वर्मा के इस प्रतीकात्मक पहल ने आमजनों को स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखने का एक सशक्त संदेश दिया।

स्वच्छता एक आदत है जो धीरे-धीरे संस्कार बनती है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने ?उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 सफल वर्षों के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक %सेवा संकल्प अभियान% चलाया जा रहा है। स्वच्छता केवल एक दिवस का कार्य नहीं, बल्कि एक आदत है जो धीरे-धीरे हमारे व्यवहार का हिस्सा बनती है। हर्ष का विषय है कि आज इस अभियान के माध्यम से जन-जन में स्वच्छता के प्रति अभूतपूर्व जागरूकता देखने को मिल रही है।

?स्वच्छता के इस महाअभियान में कलेक्टर , भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष, नगर पालिका उपाध्यक्ष सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होकर अपना श्रमदान दिया।

मोहपाल सरपंच हत्याकांड में शिक्षक समेत दो और गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ फरसगांव

मोहपाल सरपंच मंगल सिंह मरकाम हत्याकांड में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए शिक्षक समेत दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरगराम नेताम (39) और बावन राम नेताम (54) के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को 6 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 15 अक्टूबर 2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इससे पहले पुलिस इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। दो नई गिरफ्तारियों के बाद मामले में पकड़े गए आरोपियों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। जबकि बावन राम नेताम मोहपाल गोंरीपदर पारा का निवासी है। मामला थाना बड़ेडोंगर में अपराध क्रमांक 22/2026 के तहत दर्ज है। पुलिस का कहना है कि विवेचना के दौरान सामने आए बयानों, उपलब्ध तथ्यों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।द्यह्याश ऋद्धुस्र - बर्खास्त कॉन्स्टेबल संतोष राठौर के खिलाफ, ष्टक्र की चार्जशीट घटना 29 और 30 सितंबर की दरमियानी रात की बताई जा रही है। पुलिस जांच के अनुसार 29 सितंबर की रात सरपंच मंगल सिंह मरकाम के गांव आने की सूचना आरोपियों को मिली थी। इसके बाद आरोपी पड़ाड़ी मार्ग और नदी किनारे स्थित जंगल क्षेत्र में कथित रूप से घात लगाकर बैठ गए। सरपंच के मौके पर पहुंचने के बाद आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनके हाथ बांध दिए। आरोप है कि इसके बाद थप्पड़, चप्पल, लोहे की रॉड और डंडे से उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। अगली सुबह 30 सितंबर को सरपंच मंगल सिंह मरकाम जंगल किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। उनके सिर पर चोट के निशान थे। सूचना मिलने के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।द्यह्याश ऋद्धुस्र - रायगढ़ में एयर गन से पक्षियों का शिकार, दो युवक पकड़े गए मामले की



विवेचना के दौरान पुलिस को आरोपियों के बीच कथित बातचीत, घटनास्थल से जुड़े तथ्यों और पूर्व योजना से संबंधित जानकारियां भी मिलीं। न्यायालयीन दस्तावेजों में भी हत्या की कथित पूर्व योजना और आरोपियों के बीच संपर्क का उल्लेख सामने आया है। पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार इस हत्याकांड के पीछे पुरानी रंजिश की बात भी सामने आई है। आरोपी मिट्ठू राम नेताम से पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि सरपंच मंगल सिंह मरकाम और आरोपी परिवार की एक महिला के बीच कथित प्रेम प्रसंग की चर्चा को लेकर विवाद और नाराजगी थी। पुलिस इसी एंगल सहित अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है।

द्यह्याश ऋद्धुस्र - राज्यपाल रमेन डेका द्वारा बाल कल्याण परिषद को ई रिक्शा प्रदत्त इससे पहले पुलिस ने 1 अक्टूबर 2026 को सात आरोपियों मिट्ठू राम नेताम (45), श्रवण कुमार नेताम (20), अमित कुमार नेताम (20), लखन नेताम (25), नब्बू वट्टी (28), राकेश मंडावी (21) और प्रभु लाल नेताम (20) को गिरफ्तार किया था। अब शिक्षक सरगराम नेताम और बावन राम नेताम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में सभी आरोपियों की भूमिका का अलग-अलग परीक्षण कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों, आरोपियों के बीच संपर्क, हत्या की कथित योजना और वारदात में इस्तेमाल साधनों की जांच जारी है। मामले में आगे और तथ्य सामने आने की संभावना है।

नई शुरुआत

नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है

पंखों को मिली रफ्तार- सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान

पैदल चलना पड़ता था या किसी परिजन पर निर्भर रहना पड़ता था

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

गांव की पगडंडियों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बदलाव को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है।द्यह्याश ऋद्धुस्र - रायगढ़ में लूट और चाकूबाजी का खुलासा, युवक समेत दो नाबालिग हिरासत में पहले पैदल पहुंचती थीं स्कूल, अब बच रहा समय शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं बताती हैं कि साइकिल मिलने से पहले उन्हें स्कूल आने-जाने के लिए पैदल चलना पड़ता था। इससे काफी समय लगता था और थकान भी होती थी। गर्मी, बारिश और ठंड के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। अब साइकिल से वे कम समय में विद्यालय पहुंच रही हैं। समय पर स्कूल पहुंचने के साथ घर लौटने में भी कम समय लग रहा है। छात्राओं का कहना है कि आने-जाने में बचने वाला समय अब पढ़ाई और घर के अन्य जरूरी कार्यों में उपयोग हो रहा है। रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव का अनुभव बताता है ढ़ाई को कितना आसान बना सकती है।

पहले पैदल चलने में अधिक समय और श्रम लगता था। अब कम समय में स्कूल पहुंचने से नियमित पढ़ाई में मदद मिल रही है। उनका कहना है कि साइकिल से आने-जाने में समय की बचत होने के कारण पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय मिलता है। घर के जरूरी काम और पढ़ाई के बीच बेहतर तालमेल बनाने में भी आसानी हुई है। स्वयं साइकिल चलाकर विद्यालय जाना छात्राओं को अपने दैनिक आवागमन में अधिक आत्मनिर्भर भी बना रहा है। पहले जहां कई छात्राओं को पैदल चलना पड़ता था या किसी परिजन पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब वे स्वयं स्कूल पहुंच रही हैं। छात्राओं के लिए यह अनुभव आत्मविश्वास बढ़ाने वाला भी है। अपनी राह स्वयं तय कर स्कूल तक पहुंचना उन्हें आगे बढ़ने और अपने शैक्षणिक लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। बालिका शिक्षा को मिल रहा मजबूत आधार किसी भी समाज की प्रगति में बालिका शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय तक पहुंच जितनी आसान होगी, छात्राओं के लिए नियमित रूप से शिक्षा से जुड़े रहना उतना ही सुविधाजनक होगा। दूरस्थ क्षेत्रों में साइकिल जैसी व्यक्तिगत आवागमन सुविधा इसी आवश्यकता को पूरा करने में मदद करती है। स्कूल की दूरी और परिवहन की परेशानी कम होने से छात्राओं को अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलता है। माध्यमिक शिक्षा से लगातार जुड़ी रहने वाली छात्राएं आगे उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों की ओर कदम बढ़ा सकती हैं। एक शिक्षित बेटी, परिवार और समाज की ताकत एक बेटी की शिक्षा का प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत भविष्य तक सीमित नहीं रहता। शिक्षित बालिका आगे चलकर परिवार में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और आर्थिक निर्णयों के प्रति अधिक जागरूक भूमिका निभा सकती है। इस तरह बेटियों की शिक्षा में किया गया सहयोग आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की नींव भी तैयार करता है। शिक्षा बालिकाओं को अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पढ़ाई से लगातार जुड़ाव उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देता है। शिक्षा से मजबूत होती है बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बालिकाओं का लगातार विद्यालय और शिक्षा से जुड़े रहना उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा उन्हें अपने अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और जीवन में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देती है। इससे कम उम्र में विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। जब बेटियां अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं ।

कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

8 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला।कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे।खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले।इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

घरेलू क्रिकेट में करीब 20 साल का करियर

कर्ण ने 2007-08 सीजन में फर्स्ट क्लास, लिस्ट़ और टी-20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच में ही उन्होंने शतक लगाया। 2012-13 सीजन में तीन रणजी मैचों में 21 विकेट लेने के बाद उन्हें 1 बेस्ट अंडर-25 क्रिकेटर अवॉर्ड मिला।उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रेलवे, आंध्र और विदर्भ को रिप्रेजेंट किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण ने 97 मैचों में 270 विकेट लिए। लिस्ट़ के 123 मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मैचों में 168 विकेट उनके नाम हैं।

बीसीसीआई मीटिंग के बाद हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी



हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई बोर्ड की मीटिंग के बाद आया है।बैठक में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृति मंधाना और कोच अमोल मजूमदार शामिल हुए थे। टीम के भविष्य और कप्तानी को लेकर भी चर्चा हुई।

गंभीर-गिल ने रिजर्व खिलाड़ियों को रिलीज नहीं किया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला कन्कशन या किसी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में बैकअप तैयार रखने के लिए लिया है। पहले टेस्ट में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को तेज गेंदबाजों के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह मिली थी। गुरनूर और आकिब को मौका नहीं मिला था।दूसरे टेस्ट में भी सिराज और प्रसिद्ध के खेलने की संभावना है, लेकिन किसी आपात स्थिति में टीम के पास तुरंत उपलब्ध गेंदबाज रहें, इसलिए दोनों रिजर्व खिलाड़ियों को श्रीलंका में ही रखा गया है।

दलीप ट्रॉफी का नया सीजन भी रविवार से शुरू हो रहा है। ऐसे में गुरनूर और आकिब के लिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम के साथ रुकने के कारण वे नॉर्थ जोन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

सौरव गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच बने

अगले आईपीएल सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे, बतौर डायरेक्टर काम कर चुके

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। वे IPL के अगले सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।गांगुली इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर काम कर चुके हैं।



उन्होंने 2025 में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच के रूप में अपना पहला कोचिंग रोल संभाला था।गांगुली ने IPL में 59 मैचों में 1,349 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा और उन्होंने 7 अर्धशतक लगाए। उन्होंने IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स और पुणे वॉरियर्स इंडिया की कप्तानी भी की। गांगुली का IPL डेब्यू 2008 मेंचक्र के लिए हुआ था। उन्होंने आखिरी मैच 2012 में पुणे वॉरियर्स के लिए खेला। बतौर गेंदबाज उनके नाम 10 विकेट भी हैं।दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपनी पहली ट्रॉफी का इंतजार है। दिल्ली 2020 में पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन मुंबई इंडियंस के हाथों हार गई थी।

गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली।

अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े।वे साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया।2002 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया। फिर श्रीलंकाई कप्तान सनथ जयसूर्या के साथ ट्रॉफी साझा की। इसी साल लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था।गांगुली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष हैं। 2019 में BCCI के अध्यक्ष बने थे। उन्हें 2022 में पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह 1983 वर्ल्ड कप बिन्नी को नया चेयरमैन बनाया गया।

व्यापार

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 87,960 करोड़ घटा

एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 28,052 करोड़ घटी; LIC की वैल्यू बढ़ी

एजेंसी ➤ मुंबई

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। इस बीच देश की 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप कुल मिलाकर 87,960 करोड़ घटा है।

इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यूएशन में सबसे बड़ी 28,052.96 करोड़ की गिरावट देखने को मिली। इसकी वैल्यूएशन घटकर 12.15 लाख करोड़ रह गई है।

एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी घटा है। वहीं 6 कंपनियों- स्ह्रष्ट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस,बैंक और बैंक की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स 468.42 अंक (0.60त्न) और ह्रस्श्व निफ्टी 114 अंक (0.46त्न) नीचे गिरकर बंद हुआ।



मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ × 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

कंपनियों की मार्केट वैल्यू शेयर की कीमतों के बढ़ने या घटने के चलते बढ़ता-घटता है।

मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

कंपनी पर असर ः बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर ः मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वही, गिरावट से नुकसान हो सकता है,

क्या ट्रम्प अपने फैसलों से शेयर-बाजार में करोड़ों कमा रहे

जून में किए 1 हजार से ज्यादा स्टॉक ट्रेड्स; व्हाइट हाउस बोला- कंप्यूटर संभाल रहा पोर्टफोलियो

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रपति के एक बयान या फैसले से शेयर बाजार तुरंत ऊपर-नीचे हो जाता है, ऐसे में उनके खातों से करोड़ों की ट्रेडिंग सामने आने के बाद यह सवाल गहरा गया है कि क्या ट्रम्प अपने राष्ट्रपति पद और फैसलों का फायदा शेयर बाजार से पैसा कमाने के लिए उठा रहे हैं?

ट्रम्प के पोर्टफोलियो से जुड़ी इस बड़ी खबर के हर पहलू को 9 आसान सवाल-जवाब में जानें

सवाल 1. रिपोर्ट में ट्रम्प के ट्रेड्स को लेकर मुख्य रूप से क्या जानकारी सामने आई है?

जवाबः शनिवार 22 अगस्त को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने जून 2026 में



1,000 से ज्यादा सिक्योरिटीज ट्रेड्स किए हैं। इन सभी ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 78.1 मिलियन डॉलर से 263.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 7000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच रही है। जवाबः अमेरिकी नियमों के तहत राष्ट्रपति और शीर्ष अधिकारियों को अपने वित्तीय सौदों की सटीक रकम बताने की जरूरत नहीं होती। नियम के मुताबिक ट्रांजैक्शन के लिए एक दायरा तय किया जाता है। इसलिए रिपोर्ट में न्यूनतम और अधिकतम रेंज दी गई है।

जवाबः जून में सबसे बड़ी डील 22 जून को हुई। इस दिन ट्रम्प ने वैनगार्ड ग्रुप के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के 5 मिलियन डॉलर से 25 मिलियन डॉलर यानी करीब ?48 करोड़ से ?240 करोड़ के शेयर्स बेचे।

बर्कशायर है वेः 18 जून को 1 मिलियन से 5 मिलियन यानी 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 24 जून को कुछ हिस्सा बेचा।

मेटाः 18 जून को 1 मिलियन से 5 मिलियन यानी करीब 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, फिर महीने के अंत में छोटे अमाउंट में शेयर्स खरीदे। प्लांटिरः 3 जून को 1,001 से 15,000 के शेयर खरीदे। 16 और 18 जून को शेयर बेचे, फिर 23 और 24 जून को दोबारा खरीदारी की। अन्य कंपनियांः वीजा, मास्टरकार्ड, सिंटास, कॉइनबेस और होम डिपो।

सवाल 5. क्या इन ट्रेड्स का अमेरिका की जियोपॉलिटिकल घटनाओं से कोई कनेक्शन दिखा?

पीएम को स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

एजेंसी ➤ मुंबई

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है। पढ़िए इस बातचीत की खास बातेंज

देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने प्लान्स बताए। मुलाकात के दौरान पीएम ने स्टार्टअप्स के प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है।

कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया था। इस कामयाब लॉन्च के बाद पीएम मोदी ने स्टार्टअप फाउंडर से फोन पर बात की थी।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स

स्पेस पेट्रोल पंपः एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।कचरा हटानाः एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और डेड सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस फार्मा को जानें

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं।

सरकार बोली- चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं।खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं।चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

एथेनॉल के लिए चीनी का इस्तेमाल घटा

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है।पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12त्न से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9त्न रह गया है।मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75त्न हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है।

मिलों और किसानों को कैसे हुआ फायदा?

भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29



मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे।अब सरकार इस एक्स्ट्रा चीनी और गन्ने का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल को बनाने में कर रही है। इससे मिलों के पास पैसा आया और किसानों को समय पर भुगतान मिलने लगा। 20 अगस्त 2026 तक इस सीजन का 97त्न बकाया किसानों को चुकाया जा चुका है।सरकार की बची भारी सब्सिडी

मिलों की कमाई बढ़ने से अब उन्हें सरकार से मदद की जरूरत नहीं पड़ती। यही वजह है कि सरकार ने 2014 से 2021 के बीच मिलों को 14,600 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी, लेकिन साल 2021-22 के बाद से सरकार को 1 रुपए की भी नई सब्सिडी देने की जरूरत नहीं पड़ी है।



महान दरार गणराज्य का दर्शन

कॉकरोचों के यहां कोई विश्वविद्यालय नहीं था। हर बूढ़ा तिलचट्टा चलता-फिरता विश्वविद्यालय था। डिग्रियां नहीं थीं। अनुभव थे। पाठ्यक्रम नहीं था। जीवन था। परीक्षाएं भी होती थीं। पर प्रश्नपत्र समय देता था। और परिणाम अगली सुबह तक घोषित हो जाते थे। इतिहासकार मुस्कराकर लिखते हैं, 'जिस समाज में अनुभव पाठ्यपुस्तक बन जाए, वहां पुस्तकालय छोटे पड़ जाते हैं।' उनके यहां न्यायालय भी नहीं थे। एक दिन एक कॉकरोच पर आरोप लगा कि उसने आवश्यकता से अधिक भोजन जमा कर लिया है। परिषद बैठी। वृद्ध ने केवल एक प्रश्न पूछा, 'क्या तुम्हें कल पर आज से अधिक विश्वास है?' कॉकरोच चुप रहा। वृद्ध ने निर्णय सुना दिया, 'अपराध संग्रह नहीं है। भय है।' सभा समाप्त हो गई। किसी को दण्ड नहीं मिला। क्योंकि वहां न्याय प्रतिशोध नहीं, समझ का दूसरा नाम था। नेतृत्व का नियम भी सरल था। जो सबसे पहले भोजन खोजे, और सबसे बाद में खाए- वही आगे चले। एक बार ऐसा हुआ कि परिषद का प्रमुख सबसे पहले खाने बैठ गया। किसी ने उसका विरोध नहीं किया। अगले दिन किसी ने उसका अनुसरण भी नहीं किया। इतिहासकार लिखते हैं, 'जहां पद से अधिक आचरण का सम्मान हो, वहां चुनाव कम पड़ते हैं।' उसी समय एक युवा कॉकरोच ने पूछा, 'क्या हमारे यहां कभी राजा हुआ था?' वृद्ध मुस्कराया, 'हां।' सभा चौंक गई, 'फिर?' 'एक दिन उसे लगा कि दरार उसी की है।''फिर क्या हुआ?' वृद्ध ने उत्तर दिया, 'उसका अहंकार इतना बड़ा हो गया कि वह दरार से बाहर आ गया।' सभा में कोई नहीं हंसा। क्योंकि उन्हें समझ में आ गया था कि पतन बाहर से नहीं आता, वह भीतर से शुरू होता है। उसी समय दादी धीरे-धीरे वहां से गुज़रीं। उन्होंने बिना रुके कहा, 'जिसे सिंहासन संभालना पड़े, वह अभी राजा नहीं हुआ। जिसे लोग स्वयं आगे कर दें, उसे पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती।' वे कुछ दूर जाकर फिर ठिठकीं। धीमे स्वर में बोलीं, 'और याद रखनाजनियम सभ्यता को बचाते नहीं। नियमों पर विश्वास सभ्यता को बचाता है।' इतना कहकर वे अपनी पुरानी दरार में विलीन हो गईं। सभा देर तक निःशब्द बैठी रही। समय मुस्कराया। इतिहास ने अपनी डायरी में लिखा, 'लिखे हुए संविधान समय के साथ संशोधित होते हैं। अलिखित संविधान पीढ़ियों के साथ परिपक्व होते हैं।' और दरारज्वह चुपचाप सब सुनती रही। उसे मालूम था, 'जिस समाज का सबसे बड़ा क़ानून विश्वास हो, वहां सबसे छोटी दरार भी गणराज्य बन जाती है, और जहां विश्वास टूट जाए, वहां सबसे बड़ा साम्राज्य भी भीतर से दरकने लगता है।' सभा समाप्त हो चुकी थी। बच्चे अपनी-अपनी दरारों में लौट गए। युवा नई सुरंगों की खोज में निकल पड़े। वृद्ध मौन बैठे रहे। किन्तु समय वहीं रुका रहा। उसे मालूम था कि किसी भी सभ्यता का वास्तविक इतिहास उसके नियमों में नहीं, उनके पीछे छिपे दर्शन में लिखा होता है।

बहुत देर बाद एक बालक लौटकर आया। उसने बूढ़े कॉकरोच से पूछा, 'दादा जी, क्या हमारी सभ्यता मनुष्यों से अच्छी है?' वृद्ध मुस्कुराते हुए बोला, 'सभ्यताएं अच्छी या बुरी नहीं होतीं। वे केवल अपने प्रश्नों के अनुसार बनती हैं।' 'तो हमारा प्रश्न क्या था?' 'कैसे जीवित रहें।' 'और मनुष्य का?' वृद्ध ने कुछ क्षण आकाश की ओर देखा। फिर बोला, 'कैसे अमर हो जाएं।' सभा पर फिर मौन उतर आया। इतिहासकार लिखते हैं, 'एक सभ्यता जीने की कला खोजती रही, दूसरी टिके रहने की।' समय ने दोनों को बराबर अवसर दिए। मनुष्य ने पत्थर चुने। तिलचट्टों ने दरारें। मनुष्य ने स्मारक बनाए। कॉकरोचों ने स्मृतियां।

(एक नजर)

क्या सच में इंसानों ने बनाया था रामसेतु?

समुद्र के बीच पत्थरों और चट्टानों की एक लंबी कतार।।। एक तरफ भारत का रामेश्वरम और दूसरी तरफ श्रीलंका का मन्नार द्वीप। हजारों साल पुरानी धार्मिक परंपरा इसे राम सेतु कहती है, जबकि आधुनिक भूगोल में इसे एडम्स ब्रिज के नाम से जाना जाता है।मान्यता है कि भगवान राम की वानर सेना ने माता सीता को लंका से वापस लाने के लिए इसी समुद्री मार्ग पर सेतु का निर्माण किया था। लेकिन विज्ञान इसे किस नजर से देखता है? क्या यह सच में इंसानों द्वारा बनाया गया पुल था या फिर समुद्र के भीतर प्राकृतिक प्रक्रियाओं से बनी एक अनोखी संरचना? और फिर आती है नासा की वो तस्वीर, जिसने साल 2007 में राम सेतु को लेकर देश-दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी थी। इंटरनेट पर दावा किया गया कि नासा ने अपनी सैटेलाइट तस्वीरों से साबित कर दिया है कि राम सेतु इंसानों ने बनाया था।क्या रामायण में बताए गए पांच दिन में सेतु निर्माण की बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण है? पत्थरों के पानी पर तैरने की कहानी कितनी पुरानी है?

विचार

पत्रकारिता और सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर

उमा ठाकुर

लेखक

डिजिटल क्रांति ने एक नए वर्ग को जन्म दिया है, जिसे आज सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर कहा जाता है। एनफ्लुएंसर समाज का हिस्सा हैं और उनमें से अनेक शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण, कृषि, पर्यटन, संस्कृति, उद्यमिता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई प्रतिभाओं को पहचान दिलाई है, छोटे व्यापारियों को बाजार उपलब्ध कराया है और दूरदराज की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाया है। लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है।



सूचना क्रांति के इस युग में दुनिया हमारी हथेली पर सिमट गई है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने संचार के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। कभी समाचारों के लिए लोगों को अगले दिन का अखबार, रेडियो का निर्धारित बुलेटिन या टेलीविजन के समाचार कार्यक्रमों का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर घटनाएं घटने के कुछ ही क्षणों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती हैं। सूचना का यह तीव्र प्रवाह लोकतंत्र के लिए जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इसी डिजिटल क्रांति ने एक नए वर्ग को जन्म दिया है, जिसे आज सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर कहा जाता है। एनफ्लुएंसर समाज का हिस्सा हैं और उनमें से अनेक शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण, कृषि, पर्यटन, संस्कृति, उद्यमिता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई प्रतिभाओं को पहचान दिलाई है, छोटे व्यापारियों को बाजार उपलब्ध कराया है और दूरदराज की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाया है। लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है, जहां बिना तथ्य जांचे, बिना किसी संपादकीय प्रक्रिया और बिना सामाजिक उत्तरदायित्व के सामग्री प्रसारित की जा रही है। यही स्थिति चिंता का विषय है। आज सोशल मीडिया पर कुछ लोग स्वयं को पत्रकार, विश्लेषक या विशेषज्ञ के रूप में प्रस्तुत कर देते हैं, जबकि उनके पास न पत्रकारिता का प्रशिक्षण होता है, न समाचार लेखन की समझ और न ही मीडिया की नैतिक मर्यादाओं का ज्ञान। परिणामस्वरूप अपुष्ट सूचनाएं, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक शीर्षक और सनसनीखेज वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं।

इससे अफवाहों का बाजार गर्म होता है और समाज में भ्रम तथा अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है। यहीं से पत्रकारिता और ब्लॉगिंग अथवा व्लॉगिंग के बीच अंतर को समझना आवश्यक हो जाता है। ब्लॉगिंग और व्लॉगिंग मुख्यतः व्यक्तिगत विचार, अनुभव, जानकारी या मनोरंजन प्रस्तुत करने का माध्यम हैं। इनमें रचनात्मक स्वतंत्रता अधिक होती है। दूसरी ओर पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, बल्कि सत्यापित, संतुलित, निष्पक्ष और जनहितकारी सूचना समाज तक पहुंचाने की जिम्मेदारी है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसलिए कही जाती है क्योंकि उसका उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल करना, समाज की आवाज बनना और सत्य को तथ्यों के आधार पर सामने लाना होता है। पत्रकार बनने के लिए केवल कैमरा या मोबाइल फोन पर्याप्त नहीं होता। पत्रकारिता एक विधा है, जिसका अपना इतिहास, सिद्धांत, आचार संहिता, भाषा, कानूनी दायित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व है। पत्रकारिता के विद्यार्थी वर्षों तक समाचार लेखन, संपादन, मीडिया कानून, प्रेस नैतिकता, जनसंचार सिद्धांत, फोटो पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, टीवी पत्रकारिता, डिजिटल पत्रकारिता और मीडिया अनुसंधान का अध्ययन करते हैं। किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्य जांचना, संबंधित पक्ष का मत लेना, दस्तावेजों की पुष्टि करना और कानूनी पहलुओं का ध्यान रखना पत्रकारिता का मूल आधार है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक और गंभीर चुनौती क्लिकबेट संस्कृति की है। कई बार शीर्षक ऐसा बनाया जाता है जिससे पाठक या दर्शक आकर्षित हो जाए, जबकि वास्तविक सामग्री उससे बिल्कुल अलग होती है। प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है।

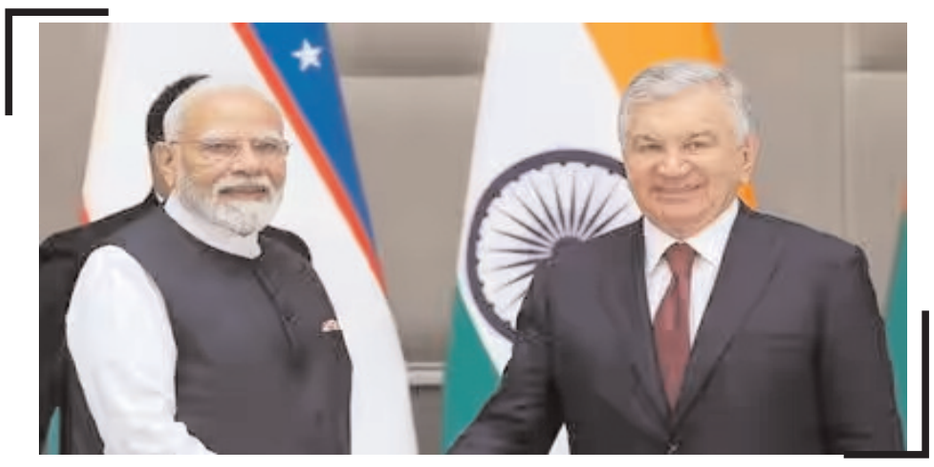
विचार

भारत की परमाणु ऊर्जा सुरक्षा होगी मजबूत

शिखर नेगी

लेखक

भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने रिश्तों को एक नई ऊंचाई देते हुए रविवार को 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' में बदलने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुआ यह समझौता सिर्फ कूटनीतिक रिश्तों के विस्तार तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने भारत को लंबे समय तक यूरेनियम उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने पर भी सहमति जताई है, जिससे भारत की परमाणु ऊर्जा जरूरतों को लेकर उज्बेकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में बदलने का फैसला किया है। इसके तहत भारत को परमाणु ऊर्जा जरूरतों के लिए लंबे समय तक यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर सहमति बनी है। साथ ही रक्षा, व्यापार और जैसे आधुनिक शहरी विकास मॉडल पर सहयोग बढ़ाया जाएगा।

भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने रिश्तों को एक नई ऊंचाई देते हुए रविवार को 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' में बदलने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुआ यह समझौता सिर्फ कूटनीतिक रिश्तों के विस्तार तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने भारत को लंबे समय तक यूरेनियम उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने पर भी सहमति जताई है, जिससे भारत की परमाणु ऊर्जा जरूरतों को लेकर उज्बेकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश यूरेनियम की आपूर्ति के लिए एक दीर्घकालिक व्यवस्था स्थापित करेंगे। बातचीत में व्यापार और निवेश बढ़ाने के साथ-साथ डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। मोदी ने बैठक के दौरान कहा कि दोनों देश यूरेनियम की आपूर्ति के लिए लंबे समय की व्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।भारत के लिए यूरेनियम समझौता क्यों अहम है?

भारत तेजी से अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में परमाणु संयंत्रों के लिए जरूरी ईंधन की लगातार और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। यूरेनियम की उपलब्धता को लेकर भारत पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध विकसित कर रहा है, ताकि किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम की जा सके।ज्बेकिस्तान इस लिहाज से भारत के लिए एक अहम साझेदार बनकर उभर सकता है। मध्य एशियाई देश दुनिया के प्रमुख यूरेनियम उत्पादकों में शामिल है और उसने अपने यूरेनियम उद्योग को आगे बढ़ाने पर भी खासा ध्यान दिया है। देश की कोशिश सिर्फ कच्चे यूरेनियम के निर्यात तक सीमित रहने के बजाय इस क्षेत्र में ज्यादा मूल्यवर्धित गतिविधियों को बढ़ाने की भी रही है। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम सहयोग बिल्कुल नया नहीं है। दोनों देशों ने 2019 में यूरेनियम अयस्क के कंसंट्रेट की आपूर्ति के लिए एक दीर्घकालिक समझौता किया था। अब नए सिरे से दीर्घकालिक सप्लाई व्यवस्था पर सहमति दोनों देशों के ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। यूरेनियम समझौते के साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला किया। इसका मतलब है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग का दायरा काफी व्यापक होने वाला है—जिसमें रणनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और ऊर्जा से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहेंगे।प्रधानमंत्री मोदी की यह उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है। उनकी यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत मध्य एशिया के देशों के साथ अपने संबंधों को पहले से ज्यादा महत्व दे रहा है। ताशकंद में हुई बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश के अलावा डिजिटल क्षेत्र, रक्षा और ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। बातचीत में भारत के 'विकसित भारत' और उज्बेकिस्तान के 'यांगी उज्बेकिस्तान' (नया उज्बेकिस्तान) जैसे विकास लक्ष्यों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए तीन सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट व्यवस्थाएं स्थापित करने पर भी सहमति जताई है। इसका मकसद स्थानीय प्रशासन, संस्थानों और शहरों के बीच सीधे सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों को इन व्यवस्थाओं की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करना चाहिए। उनके मुताबिक, स्थानीय सरकारों और संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ने से द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिल सकती है।

बैठक के दौरान मोदी ने उज्बेकिस्तान में विकसित हो रहे 'न्यू ताशकंद' और भारत के गुजरात में बनी ल्ढ्ढस्रञ्ज ष्टह्लह्ल4 का उदाहरण भी दिया। दोनों ही परियोजनाओं को बड़े पैमाने पर आधुनिक शहरी विकास और तकनीक के इस्तेमाल से जोड़कर देखा जाता है। मोदी ने कहा कि भारत उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेगा, ताकि वे ल्ढ्ढस्रञ्ज ष्टह्लह्ल4 के विकास में अपनाई गई तकनीक और बेहतरीन तौर-तरीकों को करीब से समझ सकें। कुल मिलाकर, मोदी की ताशकंद यात्रा में भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को सिर्फ औपचारिक कूटनीतिक साझेदारी से आगे ले जाने की कोशिश साफ दिखाई दी। यूरेनियम सप्लाई से लेकर रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, निवेश और शहरी विकास तक—दोनों देशों ने ऐसे कई क्षेत्रों की पहचान की है, जहां आने वाले वर्षों में सहयोग को ज्यादा ठोस रूप दिया जा सकता है।

विचार

तबाहियों का भी अपना एक इतिहास बारूद पर उगा शहर

प्रकाश सिंह

लेखक

तबाहियों का भी अपना एक इतिहास होता है। आज की दुनिया लगातार युद्धों को झेल रही है। हर तरफ तबाही है लेकिन क्या युद्ध किसी शहर को मिटा सकता है? नहीं, इसी धरती पर एक ऐसा शहर है जिसने 115 युद्ध देखे, 44 बार तबाही के कगार पर पहुंचा लेकिन आज भी मुस्करा रहा है। क्योंकि जिंदगी कहीं रुकती नहीं।

आज जब गाजा के मलबे से उठता धुएं का गुबार, यरूशलम के पुराने पत्थरों पर गूंजती सायरन की आवाजें और कीव की ठंडी रातों में बरसती मिसाइलों की खबर दुनिया का ध्यान खींचती है, तो लगता है कि युद्ध की यह विभीषिका सिर्फ आज की सदी की देन है। लेकिन इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि जमीन के एक टुकड़े के लिए तबाह होने की यह कहानी बहुत पुरानी है।

अगर आज गाजा, यरूशलम और कीव बारूद के धुएं में अपनी सांसें गिन रहे हैं, तो यूरोप के केंद्र में एक ऐसा शहर बसा है जिसने इन सबसे कहींयादा दर्द झेला है। एक ऐसा शहर जो 115 से अधिक युद्धों का गवाह बना और जिसे 44 बार तबाही झेलनी पड़ी, लेकिन हर बार अपनी ही राख से उठकर फिर खड़ा हो गया- यह कहानी है सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड की।



यह शहर दो नदियों के संगम पर बसा है- सावा और डैन्यूब। इन दो महान नदियों के संगम पर बसा यह शहर अपनी मातृभाषा में बेओग्राद यानीसफेद शहर% कहलाता है। लेकिन इसका इतिहास सफेद रंगों सेयादा खून के लाल रंग से लिखा गया है। लगभग 10,000 साल पुरानी मानव सभ्यता के अवशेष समेटे बेलग्रेड की सबसे बड़ी ताकत ही उसकी सबसे बड़ी त्रासदी बन गई- इसकी रणनीतिक स्थिति। पूर्व और पश्चिम के चौराहे पर बसे होने के कारण यह हर साम्राज्य की पहली पसंद रहा।

ईसा पूर्व चौथी सदी में केल्ट्स द्वारा बसाए जाने से लेकर रोमनों केसिंगिदुनम% तक, बेलग्रेड पर हर किसी की नजर रही। 5वीं सदी में अत्तिला द हुन ने इसे तबाह किया, फिर यह गॉथ, बाइजैन्टाइन, फ्रैंक्स और बुल्गारियाई शासकों के हाथों में घूमता रहा। 1521 में जब ऑटोमन सुल्तान ने इस पर कब्जा किया, तो बेलग्रेड ऑटोमन और ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के बीच खूनी जंग का अखाड़ा बन गया। ऑटोमन काल में तो इसे युद्ध का घर तक कहा जाने लगा। 19वीं सदी में ऑटोमन शासन से मुक्ति मिली, लेकिन तबाही का दौर खत्म नहीं हुआ।

फिर प्रथम विश्व युद्ध में यह भीषण बमबारी का शिकार हुआ और द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी ने इसे तहस-नहस कर दिया। कम्युनिस्ट युगोस्लाविया की राजधानी बनने से लेकर 1990 के दशक में युगोस्लाविया के विघटन और 1999 की नाटो बमबारी तक बेलग्रेड ने आधुनिक काल में भी युद्ध का दंश झेला। अपने इतिहास में 15 बार अपना नाम बदलने वाला यह शहर हर बार युद्ध की आग में तपा और दोबारा बसाया गया। नामों का ये सिलसिला सिंगिदुनम, दार अल-जिहाद, बीओग्राद, एल्बा ग्रेका आदि कई नामों से होता हुआ बेलग्रेड पर रुका।

आज इस शहर की आबादी लगभग 17 लाख है। यहां 300 से अधिक सांस्कृतिक स्मारक, 50 संग्रहालय, 30 थिएटर और 700 से अधिक पुरातात्विक स्थल मौजूद हैं। सावा नदी के उत्तरी तट पर बसान्यू बेलग्रेड% आज इस शहर का नया चेहरा है। गगनचुंबी इमारतें, वैश्विक कंपनियों के कार्यालय और आधुनिक शॉपिंग मॉल्स यह साबित करते हैं कि बेलग्रेड अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर बढ़ चुका है।

लेकिन, तबाहियों की यादें आज भी जिंदा हैं। बेलग्रेड का हर पत्थर अपने अंदर युद्ध की किसी न किसी कहानी को समेटे हुए है। दो नदियों के संगम पर खड़ा यह प्राचीन किला शहर की सहनशक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक है। इसकी दीवारों के नीचे रोमनों, सर्बों, हंगेरियन, तुर्कों और ऑस्ट्रियाई सैनिकों की पीढ़ियों की यादें दफन हैं। किले के भीतर स्थित सैन्य संग्रहालय में रखे 3,000 से अधिक प्राचीन हथियार, भारी बख्तरबंद और युद्धकालीन उपकरण इस रक्तरंजित इतिहास के सीधे गवाह हैं।

लेकिन, कभी युद्ध की मार से झुलसे इस शहर का बोहेमियन मोहल्लास्काडारलिया% अपनी 19वीं सदी की पत्थर की सड़कों और पारम्परिक रेस्तरां जैसे त्राई शेशिरा के साथ आज भी पुराने दौर की संगीतमय शामों की याद दिलाता है। जिस शहर को इतिहास ने 44 बार मिटाने की कोशिश की, आज वही बेलग्रेड दक्षिण-पूर्वी यूरोप का एक बेहद सुरक्षित, जीवंत और आर्थिक रूप से समृद्ध केंद्र बन चुका है।

आज यहां की नाइटलाइफ काफी मशहूर है। कभी तोपों की गूंज से कांपने वाला यह शहर आजकभी न सोने वाले शहरके रूप में जाना जाता है। सावा और डैन्यूब नदियों के पानी पर तैरते हुए रेस्तरां और क्लब जिन्हेंस्पलावोवी कहा जाता है, दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।आज युद्ध से जूझ रही दुनिया के लिए बेलग्रेड एक उम्मीद की किरण है।



मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन: नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

●●●●

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर: अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

●●●●

एक यात्री किसान से: अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिलकुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

●●●●

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला : मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

●●●●

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

●●●●

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

●●●●

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

●●●●

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

रोमांचक यात्रा

विक्की स्कूल से बाहर निकला तो देखा, शाम का अंधेरा घिरने लगा था। आज स्पोर्ट्स प्रेक्टिस में काफी देर लग गई। घर के पास चौराहे पर पहुंच उसने सोचा, 'सड़क-सड़क जाऊंगा तो रास्ता लम्बा पड़ेगा। घर के पिछवाड़े खेत से छोटा पड़ेगा।'

लकड़ी का गेट खोल वह खेत की पगडंडी पर चल दिया। मौसमी सब्जियां खूब लगी थीं। अंधेरा न हुआ होता तो विक्की दो-तीन खीरे तोड़कर खा चुका होता। पर शाम के बाद पेड़-पौधे भी सो जाते हैं, मम्मी ने बताया था। चलते-चलते उसने चारों तरफ नजर डाली। लगा खेत के सब पौधे ऊंघने लगे थे। 'अरे, यह कद्दू?' विक्की ठिठका। सुबह तो कद्दू छोटा सा था। दिन भर में ही इतना बड़ा कैसे हो गया। वह देखने के लिए झुका। कुछ साफ दिखाई नहीं दिया। एकदम अंधेरा घिर आया। 'कल देखेंगे', सोच वह घर की तरफ बढ़ गया।

खाना खाते वक्त उसने मम्मी से कद्दू की बात की। 'टहनी पर लगे फल-सब्जी एक दिन में बड़े नहीं हो जाते। वक्त लगता है। अंधेरे में परछाई-वरछाई पड़ रही होगी।' विक्की को लगा, मम्मी की बात ही ठीक होगी। अगली सुबह न जाने क्यों विक्की खेत के रास्ते से हो स्कूल के लिए चला। कद्दू की बेल के पास आ ठिठका, देखा और हंस दिया, 'यह तो कल सुबह जितना छोटा ही है। रात जरूर किसी चीज की परछाई पड़ रही होगी।' आज उसकी आठवीं क्लास की प्रेक्टिस कुछ पहले खत्म हो गई। दसवीं के बच्चे अभी प्रेक्टिस कर रहे थे।

घर के पास वाले चौराहे पर आ विक्की ठिठका। फिर कुछ सोच सड़क छोड़, खेत के अन्दर से जाने लगा। 'ओह..तो..' विक्की बुदबुदाया। सुबह वाला छोटा सा कद्दू आज फिर बड़ा था। उसने चारों तरफ देखा। अभी अंधेरा नहीं हुआ था। दिन की रोशनी। परछाई के भ्रम का तो सवाल ही नहीं। उसने गौर से देखा। इस बेल में इतने बड़े कद्दू लगते ही नहीं। उसे लगा कद्दू बहुत धीरे-धीरे बड़ा हो रहा है। 'कोई जादू है क्या?' विक्की को आनन्द आने लगा '..हमारे खेत में जादू का कद्दू..।' उसने कहीं पढ़ा था कि भूत या जादू की बातें रात को होती हैं। उसने मन ही मन कुछ फैसला किया और घर चला आया। आज उसने मम्मी से कुछ नहीं कहा। रात के साढ़े ग्यारह बजे, घर के सब लोग सो चुके थे। विक्की बिस्तर से उठ चुपचाप खेत की तरफ चल दिया। कद्दू की बेल के पास पहुंच विक्की हैरान। कद्दू इतना बड़ा हो चुका था, जैसे खूब बड़ा मूढ़ा। 'हे भगवान! यह माजरा क्या है?' तभी विक्की को जैसे करंट लगा। उसने देखा, कद्दू बेल से अलग हो धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा, जैसे हवाई जहाज टेक-ऑफ के बाद ऊपर उठता है। विक्की को पता नहीं क्या सूझा, वह उछल कर कद्दू पर बैठ गया। जो डंडी बेल से अलग हुई, वह इतनी बड़ी थी कि विक्की उसे दोनों हाथों से पकड़ आराम से बैठ गया। कद्दू ऊपर उठ हवा में उड़ने लगा। विक्की को जरा भी डर नहीं लगा। उसे खूब आनन्द आ रहा था। ऊपर से शहर कितना अच्छा लगता है। रात की ठंडी हवा..ऊपर आसमान में चमकते सितारे, नीचे शहर की सड़कों पर जलती बिजली की रोशनी। घरों, पेड़ों और नदी के ऊपर से होता हुआ कद्दू उड़े जा रहा था।

'क्या हम परीलोक जा रहे हैं,' विक्की ने सोचा।

बहुत देर उड़ते रहने के बाद कद्दू नीचे उतरने लगा। विक्की ने कस कर डंठल को पकड़ लिया। नीचे झांका। एक छोटी-सी बस्ती। छोटी साफ-सुथरी सड़कें। छोटे-छोटे घर। 'इतने छोटे घरों में कौन रहता होगा?' तभी कद्दू नीचे उतर रुक गया। उसके उतरते ही चारों तरफ से दौड़-दौड़ कर किस्म-किस्म के सब्जी व फल वहां जा पहुंचे।

'महाराज आ गए। महाराज की जय हो।' सबने आकर कद्दू को प्रणाम किया। महाराज ने मुस्करा कर सबका अभिवादन स्वीकार किया। छोटी सी लौकी बार-बार सामने आ उछल रही थी। महाराज ने उसे प्यार किया, 'कैसी हो छोटी? बहुत खुश लग रही हो।'

विक्की हैरानी से नजारा देख रहा था। डंठल के चारों तरफ का गड्ढा इतना बड़ा था, वह आराम से उसमें बैठा था। सामने एक छोटा सा झरना था। झरने के पानी में ढेरों सब्जियां नहा रही थीं।

'ओ..ये छोटे घर सब्जियों के हैं और यह बस्ती भी सब्जियों की लगती है।' तभी वहां एक आलू आया। खूब बड़ा। शोर उभरा, 'मंत्रीजी आ गए।'

मंत्री ने आकर राजा को प्रणाम किया।

'चलें महाराज? सभा में सब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

'..हां, तुम सब यहीं रहो। महाराज जरूरी मीटिंग के लिए जा रहे हैं।' महाराज और मंत्री दोनों बस्ती के दूसरे छोर की तरफ चले। घरों से निकल सभी सब्जियां 'प्रणाम महाराज', कह अभिवादन कर रही थीं।

'पाय लागू महाराज', अचानक इस आवाज से महाराज ठहर गए।

'कौन है?'

एक छोटी-सी भिंडी सकुचाती हुई सामने आई।

'तुम हो? पाय लागू कहां से सीख लिया? मां ने सिखाया होगा?'

भिंडी शरमा कर घर में भाग गई।

आगे जाकर एक छोटे से मैदान में 5-6 बुजुर्ग सब्जियां, मतलब राजसभा के सदस्य बैठे थे।

महाराज ने सबका प्रणाम स्वीकार किया और अपनी गद्दी पर बैठ गए। उन्होंने बैंगन से कहा, 'अपनी रिपोर्ट दो।' 'महाराज। एक अफवाह तेजी से फैल रही है कि पड़ोस की सब्जी-नगरी का कद्दू राजा हमारे राज्य पर अधिकार करना चाहता है।' कटहल ने कहा, 'आपकी छत्रछाया में हम सब यहां कितने सुख और प्यार से रह रहे हैं। हम दूसरे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

'किसी ने उसे देखा है?' आलू ने कहा, 'देखा तो नहीं। पर, सुना है, एक दो दिन में हमला कर सकता है।'

'तुम्हें जो योजना बताई थी, याद है?' मिर्ची के बीज रख दिए हैं। उनके पीछे.., महाराज ने बीच में रोक दिया, 'उसके बाद किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

लम्बी छरहरी इमली ने कहा, 'महाराज! आप यहां से चले क्यों गए? आपके बिना हमें डर लगता है।'

महाराज जोर से हंसे, 'तुम्हें डर लगता है? तू तो अपनी खटास से किसी को भी बदहवास कर सकती है। तैयार रहना।'

'मैं तैयार हूं महाराज।' कद्दू ने कुछ देर मंत्रणा की। फिर कहा, 'अब हम चलते हैं। कल आएंगे। जैसे समझाया है, सब वैसे करना। हमें कोई जीत नहीं सकेगा।'

कद्दू उड़ कर वापस विक्की के खेत में आ अपनी जगह बैठ गया। विक्की उतर कर घर चला आया। उसे बहुत मजा आ रहा था। कद्दू की सवारी में तो खूब आनन्द आया। पर सब्जियों के राज्यों में भी युद्ध होता है। कद्दू ने कहा था वह कल भी जाएगा...हम कल भी जाएंगे।

विक्की अगली रात भी खेत में पहुंच गया। कद्दू जैसे उसी का इंतजार कर रहा था। उसके बैठते ही उड़ चला। विक्की को लगा आज कद्दू कल से ज्यादा बड़ा है। उसको बैठने के लिए खूब जगह मिल गई। विक्की अपने साथ तेज धार वाला बड़ा चाकू ले आया था, ..शायद जरूरत पड़ जाए।' सब्जी बस्ती में उतरते ही अजीब सा खौफ भरा सन्नाटा नजर आया। आलू ने बताया कि पक्की खबर मिली है कि वह आज हमला करेगा।

कद्दू ने कहा, 'हम आ गए हैं। घबराओ मत। तुम सब तैयार रहना। हम थोड़ा ऊपर उठ कर उसे देखने की कोशिश करते हैं।' कद्दू ऊपर उठा। कहीं कोई नजर नहीं आया। वह और ऊपर उठा। अचानक एक तरफ से पहाड़ सा कद्दू आकर इस कद्दू को टक्कर मारने को तैयार हुआ।

'आज हम तुझे मार कर इस बस्ती पर अधिकार कर लेंगे', कह कर कद्दू पर झपटा। वह टक्कर मारने वाला था कि चीख मार कर गिरने लगा। सबने देखा, उसका पेट फट गया था। बीज, गूदा सब बाहर निकल आया। वह मर रहा था। नीचे गिरते हुए उसकी चीखें धीमी पड़ती जा रही थीं।

नीचे किसी को समझ नहीं आया कि यह चमत्कार कैसे हो गया। विक्की का चाकू। बड़े कद्दू को पास आते देख विक्की ने चाकू उसके पेट में घुसेड़ दिया।

महाराज नीचे उतरे। मोटा कद्दू चारों खाने चित्त पड़ा था।

बस्ती वालों की जय-जयकार से आसमान गूंज उठा, 'हमारे महाराज सर्वश्रेष्ठ...महाराज की जय हो.. अब कोई दुश्मन हमारी तरफ आंख उठा कर नहीं देखेगा।'

जश्न के बाद कद्दू वापस जाने के लिए ऊपर उठा। खेत में आ अपनी जगह बैठ गया।

विक्की





छोटी गर्दन वाला सफेद गैंडा

बड़े सिर और भारी शरीर वाला सफेद गैंडा, गैंडों की पांच बड़ी प्रजातियों में से एक है और यह कुछ हाथियों की तरह दुनिया के बड़े स्तनपायियों में से एक माना जाता है।

लेकिन भारी शरीर के साथ इसकी गर्दन छोटी और छाती चौड़ी होती है। नर सफेद गैंडे का वजन 2300 किलोग्राम होता है। अब तक के सबसे बड़े गैंडे का वजन 4500 किलोग्राम तक रिकॉर्ड किया गया है। इस जानवर में एक खास बात यह है कि इसकी नाक पर दो सींग होते हैं, जो कैरोटिन के बने होते हैं। इस गैंडे में एक खास चीज और होती है, वह है इसके पीठ पर उठा हुआ कूबड़। घास को अच्छी तरह से खाने के लिए इसके पास चौड़ा मुंह होता है। वैसे तो इसके कान सब कुछ सुन लेते हैं, लेकिन यह ज्यादातर समय सूंघकर ही अपना काम चलाता है। इसकी नाक धरती पर पाए जाने वाले सभी जानवरों में सबसे चौड़ी होती है। यह 40 से 50 साल तक जीवित रह सकता है।

निर्दयी शिकारी है टिम्बर भेड़िया

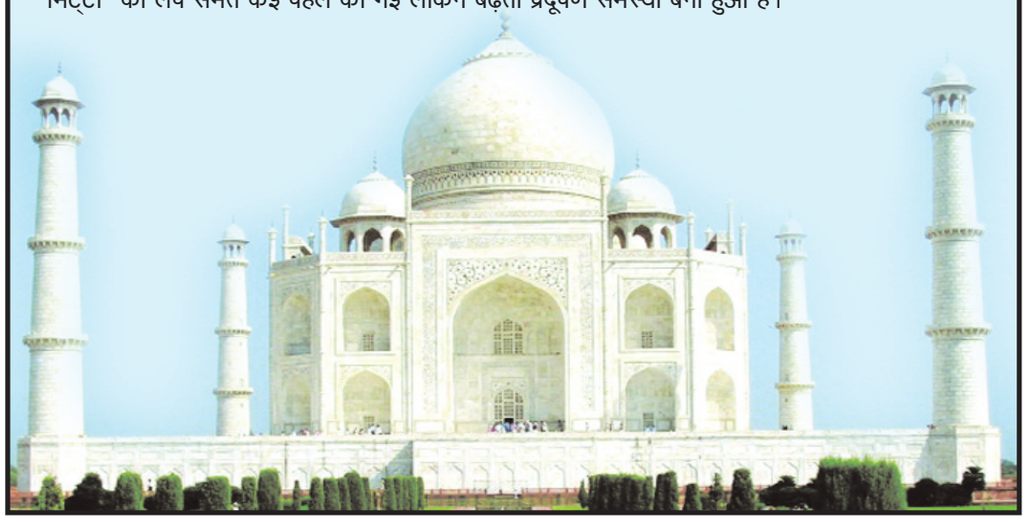


अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाया जाने वाला 'टिम्बर भेड़िया' देखने में हालांकि कुत्ते जैसा ही प्रतीत होता है किन्तु यह इतना शक्तिशाली होता है कि बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मार डालता है। लगभग डेढ़ मीटर लम्बा भेड़ियों की विशेष प्रजाति का सदस्य 'टिम्बर भेड़िया' सूंघकर नहीं बल्कि देखकर शिकार करता है। भूरे रंग का यह भेड़िया देखने में काफी सुंदर लगता है किन्तु इसे बहुत ही निर्दयी शिकारी माना जाता है, जो इतना ताकतवर जानवर है कि यह 'इल्क' जैसे बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मौत की नींद सुला डालता है। बस, एक बार कोई शिकार इनकी नजर में आ जाए, फिर उसका बचना लगभग नामुमकिन होता है। टिम्बर भेड़िए तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ते, जब तक कि शिकार इनकी गिरफ्त में न आ जाए। बहुत दूर तक अपने शिकार का पीछा करने के बाद जब टिम्बर भेड़िया शिकार को दबोचने में सफल हो जाता है तो बुरी तरह उस पर टूट पड़ता है और बहुत ही निर्दयता से उसे मार डालता है। यही वजह है कि टिम्बर भेड़िया को एक 'निर्दयी शिकारी' भी कहा जाता है। अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाए जाने वाले टिम्बर भेड़िए की तादाद अन्य भेड़ियों की तुलना में बहुत अधिक होती है, जहां भूरे रंग के टिम्बर भेड़िए ही बहुतायत में पाए जाते हैं। हालांकि टिम्बर भेड़ियों की गहरे भूरे रंग, हल्के लाल रंग तथा सफेद रंग की प्रजातियां भी पाई जाती हैं किन्तु ये प्रजातियां बहुत दुर्लभ हैं। टिम्बर भेड़िए के शरीर पर भूरे रंग की बहुत घनी और मुलायम फर होती है। इसकी करीब आधा मीटर लंबी पूंछ झाड़ियों जैसी घनी होती है।

जाने ताजमहल की कुछ अनसुनी बातें

मुमताज महल और शाहजहां के प्रेम का प्रतीक है ताजमहल। इसके निर्माण से संबंधित बहुत सारी कथाएं प्रचलित हैं। अपनी चौदहवीं संतान को जन्म देने के उपरांत बुरहानपुर में मुमताज महल की मौत हो गई। उनके पार्थिव शव को छह महीने तक इसी स्थान पर दफना कर रखा गया और कुछ समय बाद शव को कब्र से निकाल कर शाहजहां अपने साथ आगरा ले गए और उसे ताजमहल में दफनाया गया।

ताजमहल भारत का गौरव है और वह दुनिया के 8 अजूबों में से एक है। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है। यह 400 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण 20 हजार मजदूरों ने रात-दिन काम करके चमकीले सफेद संगमरमर से बेहतरीन मुगल वास्तुकला के नमूने के रूप में किया था। जो ईरानी और भारतीय शैलियों का सुमेल है। ताज परिसर में कदम रखते ही आप मंत्रमुग्ध हो जाते हैं कि इतनी खूबसूरत रचना मनुष्य ने कैसे की होगी। पूरे परिसर में सजावट के रूप में कुरान की आयतें उकरी हुई हैं। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह मेहराबरूपी गुंबद के नीचे है और यहां एक वक्राकार गेट के जरिए पहुंचा जा सकता है। 300 मीटर का वर्गाकार चार बाग भी ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं। इसमें कई उठे हुए रास्ते हैं, जो बाग को 16 फूलों की क्यारियों में बांटते हैं। ताजमहल की सुंदरता का कोई भी बखान नहीं कर सकता। ताजमहल के वजूद पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यमुना नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण ताजमहल की नींव में लगी लकड़ी सूख रही है जिससे ताजमहल के अस्तित्व को भयानक खतरा हो सकता है। अन्य कारणों पर दृष्टिपात करें तो आगरा में ताजमहल के आसपास के इलाकों में औद्योगिक इकाइयों के खुलने के कारण इस धरोधर के क्षतिग्रस्त होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं साथ ही खतरा इस इमारत की खूबसूरती पर दाग लगने का भी बढ़ रहा है। ताजमहल पर 'मुलतानी मिट्टी' का लेप समेत कई पहल की गई लेकिन बढ़ता प्रदूषण समस्या बना हुआ है।



न्यूज इन शॉर्ट



कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने किया जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

अदालती एवं गैर-अदालती मुद्रांकों सहित बहुमूल्य सामग्रियों का किया भौतिक सत्यापन, पंजियों से कराया मिलान

महेंद्र शुक्ला एमसीबी कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता के सहायक नियम-39 के प्रावधानों के तहत प्रातः 10:15 बजे स्ट्रांग रूम पहुंचकर वहां संधारित सामग्रियों एवं अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे अदालती एवं गैर-अदालती मुद्रांकों तथा अन्य बहुमूल्य सामग्रियों का भौतिक सत्यापन किया। साथ ही उपलब्ध सामग्री का जिला कोषालय में संधारित संबंधित पंजियों एवं अभिलेखों से मिलान कराया। उन्होंने अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। कलेक्टर सुश्री जांगड़े ने जिला कोषालय अधिकारी मनबोध राम यादव से कोषालय की विभागीय कार्यप्रणाली एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कोषालय से जुड़े कार्यों में निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करते हुए अभिलेखों और बहुमूल्य सामग्रियों के सुरक्षित संधारण पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला कोषालय अधिकारी, सहायक कोषालय अधिकारी सहित कोषालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



राज्यपाल श्री रमेन डेका से महाराजा कमल चंद्र भंज देव ने की भेंट

बस्तर दशहरा के प्रमुख आयोजनों में शामिल होने राज्यपाल को दिया आमंत्रण

रायपुर, । राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में बस्तर राज परिवार के माटी पुजारी एवं रथपति महाराजा श्री कमल चंद्र भंज देव ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को बस्तर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक दशहरा उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

राज्यपाल को श्री भंज देव ने दशहरा उत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले महाराजा नवाखाई एवं महाराजा बाहर रहनी कार्यक्रमों में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं तथा उत्सव के विभिन्न आयोजनों की जानकारी भी राज्यपाल को दी। राज्यपाल श्री डेका ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इसकी अनूठी परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

योजनाओं को समझें और पात्रतानुसार अधिकाधिक लाभ उठाएं: विधायक श्री मरपच्ची

सरकार आपके द्वार- कोटमीकला, अंधियारखोह और गुदुमदेवरी में सेवा सेतु शिविर आयोजित

योजनाओं की जानकारी के साथ मौके पर मिला लाभ, हितग्राहियों को आवास की चाबी, आबादी पट्टा, ड्राइविंग लाइसेंस और वोटर आईडी वितरित

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से स्वयं बिजली उत्पादन कर शून्य कर सकते हैं बिजली बिल- कलेक्टर

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही



सेवा संकल्प अभियान के तहत आम नागरिकों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आज जिले के तीनों विकासखंडों में ÷सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार÷ शिविर आयोजित किए गए। पेंड्रा विकासखंड के ग्राम कोटमीकला, गौरेला विकासखंड के ग्राम अंधियारखोह तथा मरवाही विकासखंड के ग्राम गुदुमदेवरी में आयोजित शिविरों में ग्रामीणों को विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

गुदुमदेवरी हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में आयोजित शिविर में मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर विभागीय योजनाओं एवं उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। विधायक ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान क्लस्टर ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर आम नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने योजनाओं को सुनने, समझने और पात्रतानुसार उनका लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन महत्वपूर्ण है और सभी पात्र किसानों को अपना पंजीयन सुनिश्चित कराना चाहिए। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभों से अवगत कराया। उन्होंने योजना की लागत, अनुदान एवं सोलर पैनल इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि योजना का लाभ बड़ी संख्या में नागरिक ले रहे हैं और जिले में भी 500 से अधिक हितग्राही इससे लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि घर पर सौर ऊर्जा से स्वयं बिजली उत्पादन करने से बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है तथा आवश्यकता से अधिक बिजली उत्पादन होने पर निर्धारित प्रावधानों के तहत अतिरिक्त बिजली ग्रिड को दी जा सकती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी पात्रता के अनुरूप शासन की योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट अपनाएं और जीवन सुरक्षित बनाएं – कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू



सेवा संकल्प अभियान के तहत बस स्टैंड सारंगढ़ में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

100 से अधिक लोगों को हेलमेट वितरण, बाइक रैली और नुक्कड़ नाटक से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पुलिस विभाग द्वारा बस स्टैंड सारंगढ़ में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री जगन्नाथ पाणिग्राही सहित जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय भूषण पांडेय, कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू, पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ऋषिकेश तिवारी शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित वाहन चलाने का संदेश दिया गया।

नुक्कड़ नाटक से समझाया,छोटी सी सावधानी बचा सकती है जीवन

सीपीएम कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर हेलमेट पहनने, निर्धारित गति में वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक किया। संस्कृति विभाग के कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से बचाव और सुरक्षित



यातायात का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता की। सड़क सुरक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों को हेलमेट वितरित किए गए। इसके साथ ही यातायात जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। रैली ने शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए नागरिकों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने कहा कि नुक्कड़ नाटक और जागरूकता कार्यक्रम से दिया गया सड़क सुरक्षा का संदेश पूरे जिले तक पहुंचना चाहिए। हेलमेट वितरण का उद्देश्य केवल हेलमेट प्रदान करना नहीं, बल्कि लोगों को यह समझाना है कि जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने नागरिकों से हेलमेट का नियमित उपयोग करने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने और स्वयं के साथ अपने परिवार की सुरक्षा का भी ध्यान रखने की अपील की। सड़क दुर्घटना पीड़ितों को उपचार योजना का लाभ दिलाने पर जोर

कलेक्टर श्रीमती साहू ने सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले में पिछले लगभग आठ महीनों में सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित 566 मरीजों के उपचार के प्रकरण सामने आए हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक संपन्न



सेवा ज्योति यात्रा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अधिकारियों-कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति, योजनाओं के स्टॉल, एलईडी स्क्रीन एवं मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा के साथ 7 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाली सेवा ज्योति यात्रा की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने यात्रा को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से आयोजित करने के लिए विभागवार जिम्मेदारियां तय करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता डोगरे, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा ज्योति यात्रा में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य

कलेक्टर ने बताया कि सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ 7 अक्टूबर को प्रातः 8:30 बजे किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर एलईडी स्क्रीन, साउंड सिस्टम एवं इंटरनेट सहित सभी आवश्यक तकनीकी व्यवस्थाएं समय से पहले पूर्ण करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को सेवा ज्योति यात्रा से संबंधित जारी आदेशों का गंभीरता से अध्ययन कर सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य अतिथियों के प्रोटोकॉल के साथ जनप्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों, पार्षदों एवं सभापतियों, जनपद अध्यक्षों तथा जनपद सदस्यों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के निर्देश दिए।

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से धमकी का आरोप

इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर युवक को जान से मारने की धमकी, एसपी कार्यालय में शिकायत

महेंद्र शुक्ला ➤ सीधी

इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर युवक को लगातार जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित अंकित कुमार शर्मा ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी में लिखित शिकायत देकर मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित के अनुसार करीब 19 माह पूर्व वर्ष 2025 में उसके मित्र शुभम सिंह तिवारी के साथ कुछ लोगों द्वारा गंभीर मारपीट की गई थी। इस मामले की रिपोर्ट मझौली थाने में दर्ज कराई गई थी और वर्तमान में प्रकरण न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,



जिला सीधी के न्यायालय में विचाराधीन बताया गया है।फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से धमकी का आरोप

पीड़ित का आरोप है कि अब आरोपी पक्ष द्वारा इंस्टाग्राम पर 'कंटेंट' और 'अल्फा उस्मान 990' नाम से फर्जी आईडी बनाकर उसे लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। शिकायत के मुताबिक 27 सितंबर 2026 को इंस्टाग्राम पर शुभम सिंह तिवारी के साथ हुई मारपीट की पेपर कटिंग और फोटो भेजी गई। साथ ही धमकी दी गई कि जिस तरह शुभम सिंह को मारा गया, उसी तरह अंकित के साथ भी मारपीट कर उसकी हत्या कर दी जाएगी।

पत्नी के मोबाइल पर भी भेजे जा रहे संदेश

पीड़ित का कहना है कि धमकी भरे संदेश उसकी पत्नी श्रीमती सपना शर्मा के मोबाइल नंबर पर भी भेजे जा रहे हैं। इससे वह और उसका परिवार मानसिक रूप से परेशान और भयभीत है।

नई शुरुआत

अंडर-14 बालक फुटबॉल में रायपुर उपविजेता, बिलासपुर ने हासिल किया तीसरा स्थान

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तीसरे दिन फुटबॉल का रोमांच चरम पर, बस्तर बना विजेता

कड़ी मेहनत, लगन और जीत के जज्बे के साथ मैदान में भिड़े पांचों संभाग के खिलाड़ी

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तीसरे दिन मंगलवार को फुटबॉल का रोमांच चरम पर रहा। प्रदेश के पांचों संभागों से आए अंडर-14 बालक खिलाड़ियों ने जीत के लिए मैदान में पूरी ताकत झोंक दी। गेंद पर कब्जा जमाने की होड़, विपक्षी रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश, सटीक पास और गोल बचाने के लिए खिलाड़ियों की फुर्ती ने मुकाबलों को रोमांचक बनाए रखा। कड़ी मेहनत, लगन और बेहतर तालमेल के दम पर बस्तर संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 बालक फुटबॉल में प्रथम स्थान हासिल कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में रायपुर संभाग ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि बिलासपुर संभाग ने तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया। सरगुजा संभाग चौथे और



दुर्ग संभाग पांचवें स्थान पर रहा। मैदान में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और हर टीम ने अंतिम क्षण तक मुकाबला अपने पक्ष में करने के लिए पूरा जोर लगाया।

बस्तर के आक्रामक खेल ने खींचा ध्यान, 7-1 की बड़ी जीत भी की थी दर्ज

फुटबॉल प्रतियोगिता के पिछले मुकाबलों में भी बस्तर के खिलाड़ियों ने अपने आक्रामक तेवर दिखा दिए थे। बस्तर ने रायपुर को 4-1 से पराजित करने के बाद सरगुजा के



खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए 7-1 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। तेज आक्रमण, सटीक पास और मिले अवसरों को गोल में बदलने की क्षमता बस्तर की ताकत बनकर सामने आई। खिलाड़ियों ने मैदान के दोनों छोर पर बेहतर तालमेल दिखाया और लगातार विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा।

अन्य मुकाबलों में बिलासपुर ने रायपुर को 3-1 से पराजित किया था, जबकि सरगुजा ने दुर्ग को 3-1 से मात दी थी। बिलासपुर और दुर्ग के बीच हुए संघर्षपूर्ण मुकाबले में बिलासपुर ने 2-1 से जीत दर्ज की। इन मुकाबलों के बाद



आगे बढ़ी प्रतिस्पर्धा में टीमों ने अपनी रणनीति और खेल कौशल के दम पर स्थान बनाने के लिए जोरदार संघर्ष किया। तीसरे दिन परिणाम सामने आने के साथ बस्तर ने शीर्ष स्थान अपने नाम किया और रायपुर ने दूसरा स्थान हासिल किया।

हर गोल के लिए संघर्ष, खेलभांठा मैदान में दिखा जीत का जुनून

तीसरे दिन फुटबॉल मैदान में खिलाड़ियों का जोश देखते ही बना। कभी गेंद एक छोर से दूसरे छोर तक तेजी से दौड़ी तो कभी गोलपोस्ट के करीब पहुंचते ही मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने कई हमलों को नाकाम किया, वहीं गोलकीपरों ने भी शानदार बचाव कर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। खिलाड़ियों ने थकान को पीछे छोड़ते हुए पूरे समय अनुशासन और खेल भावना के साथ अपनी टीम के लिए संघर्ष किया।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। फुटबॉल के साथ सॉफ्टबॉल और बालिका क्रिकेट में भी खिलाड़ियों की प्रतिभा देखने को मिल रही है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन तक पहुंचते-पहुंचते जीत की होड़ और तेज हो गई है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से सारंगढ़ पहुंचे स्कूली खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से यह साबित कर रहे हैं कि निरंतर अभ्यास, कड़ी मेहनत, लगन और जीत का जज्बा ही खेल के मैदान में सफलता की राह तैयार करता है।